



| महानगर मेट्रो                                                                              |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|
| राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें |
| सरबजीत माकन                                                                                |
| +91-9638877700                                                                             |
| mahanagarmetro7@gmail.com                                                                  |

# सोनम वांगचुक अनशन खत्म करने के लिए तैयार

## ●सरकार के सामने रखी शर्त

एजेंसी नई दिल्ली । शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा पेपर लीक मामले में जवाबदेही और छात्रों के हितों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन मांगा है। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक खुला पत्र साझा किया, जिसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नाम संबोधित किया गया है। उन्होंने पत्र में बताया कि दोनों मंत्री अस्पताल में उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्होंने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। वांगचुक ने लिखा कि मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उन्हें परीसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।



इनमें परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चर्चा के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर भी विचार किए जाने की बात सामने आई। अपने पत्र में वांगचुक ने 20 जुलाई को आयोजित 'चलो संसद' मार्च का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। देश और दुनिया ने देखा कि युवाओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी

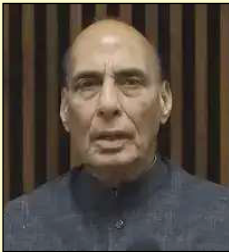
## ‘करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की’

बात रखी और संयम का परिचय दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों और युवाओं के

खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। वांगचुक ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की है। कुछ सांसद व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलने भी पहुंचे हैं, जबकि अन्य के मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों ने उन्हें याद दिलाया कि देश और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अभी बाकी है।

## युवाओं को राजनीतिक औजार बना रहा विपक्ष, छात्र आकांक्षाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी) । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर विंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान सड़क पर समाधान खोजने का प्रयास अनुचित है। राजनाथ सिंह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों की हर विंता को सुनना और उसका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। भारत के जागरूक और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को समझते हैं और प्रगति, विकास तथा राष्ट्र निर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा 'बनावटी गुस्से का माहौल' केवल जनता, विशेषकर बच्चों और युवाओं को भ्रमित करने का असफल प्रयास है।



## छात्रों के प्रदर्शन पर अनुपम खेर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- ‘आपकी लड़ाई आपकी ही रहनी चाहिए, किसी और का एजेंडा मत बनने दीजिए’

मुंबई (एजेंसी) । जंतर-मंतर पर हो रहे छात्रों के प्रदर्शन और उससे जुड़ी तस्वीरों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस मुद्दे पर कई फिल्मी सितारे अपनी-अपनी राय रख चुके हैं। अब अभिनेता अनुपम खेर ने भी छात्रों के समर्थन में खुलकर बात की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि इस आंदोलन को बाहरी लोगों के एजेंडे का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत छात्रों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, 'मेरे प्यारे छात्रों, नमस्ते। एक-दो दिन पहले आपके प्रदर्शन की तस्वीरें देखकर मन व्यकुल भी हुआ और दुखी भी।

# नीट मामला: राहुल गांधी ने रखीं तीन मांगें

## ●‘शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और सरकार से माफी की अपील’



एजेंसी नई दिल्ली । नीट परीक्षा में पेपर लीक और छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रधानमंत्री को देश के छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मौजूदा शिक्षा व्यवस्था ने गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों का भरोसा तोड़ा है और सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद शिक्षा मंत्रालय प्रभावी कदम नहीं उठा सका। राहुल ने कहा कि ऐसे में शिक्षा मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों और छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल निचले स्तर पर नहीं, बल्कि आदेश देने वाले और पूरे तंत्र के लिए जिम्मेदार लोगों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि पूरे मामले की अंतिम जवाबदेही सरकार के शीर्ष नेतृत्व की है। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और स्वीकार करें कि परीक्षा प्रणाली में गंभीर खामियां रही हैं।

## धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, फिर होगी सांसद में चर्चा: अधीर रंजन का केंद्र सरकार पर हमला

एजेंसी नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के निलंबन, नीट और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा, प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी के प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि मंत्री के पद पर रहते हुए नियुक्त चर्चा संभव नहीं है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के कथित आपत्तिजनक शब्दों और उनके निलंबन पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ऐसा हो सकता है क्योंकि पहले भी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने इसे टीएमसी का आंतरिक मामला बताते हुए कहा कि पार्टी के भीतर का विवाद अब सड़क से संसद तक पहुंच गया है।

## जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुई छात्रा को वेंटिलेटर से हटाया गया: आरएमएल अस्पताल

नई दिल्ली। आरएमएल अस्पताल की ओर से बुधवार को बताया गया कि राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक घटना में गंभीर रूप से घायल हुई 21 वर्षीय महिला का डॉ. राम मोहन लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसकी हालत में काफी सुधार होने के बाद उसे वेंटिलेटर सपोर्ट से हटा दिया गया है। अस्पताल ने एक बयान में कहा कि मरीज को सफलतापूर्वक वेंटिलेटर से हटा दिया गया है। बयान में कहा गया, 'उन्हें सफलतापूर्वक वेंटिलेटर से हटा दिया गया है और अब वह खुद से सांस ले रही हैं। वह होश में हैं और निर्देशों का सही जवाब दे रही हैं। उनके दिमाग और रीढ़ की हड्डी का एमआरआई नॉर्मल है। अस्पताल के अनुसार, उनकी हालत में उसाहजनक सुधार के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट हटाने का फैसला लिया गया। बयान में कहा गया कि इलाज शुरू होने के बाद से उनकी क्लिनिकल हालत में लगातार सुधार हो रहा है और इलाज करने वाली टीम की कड़ी निगरानी में उन्हें पूरी मेडिकल देखभाल मिल रही है। अस्पताल ने कहा कि महिला को जरूरी इलाज और लगातार निगरानी दी जा रही है।

## दिल्ली मेट्रो के बंद किए सभी स्टेशन खोले गए

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के बाद बंद किए गए सभी 16 मेट्रो स्टेशन खोल दिए हैं। यह निर्णय राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए मेट्रो प्रशासन ने यह कदम उठाया था। यात्रियों के लिए बंद कर दिया था। यह कदम अगले निर्देशों तक प्रभावी था। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की थी। यात्रियों को इन मार्गों से यात्रा करने से बचने की सलाह भी दी गई थी। दिए गए थे। यह निर्णय विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लिया गया था। इसका उद्देश्य राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखना था। साथ ही, भीड़ को नियंत्रित करना भी एक प्रमुख लक्ष्य था।

## उद्धव ठाकरे से मिले अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से सांसद संजय राउत के आवास पर मुलाकात की। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। बैठक के बाद आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने परीक्षा प्रणाली, नीट पेपर लीक और युवाओं के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ देश के मौजूदा मुद्दों, युवाओं के राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देशभर से आए युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित, नाराज और निराश हैं। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार को जंतर-मंतर गए थे और बाद में उद्धव ठाकरे ने भी प्रदर्शनकारियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

# सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

## भोगापुरम एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए दिया न्योता

एजेंसी अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और टीडीपी संसदीय दल के नेता लावू श्रीकृष्ण देवरायलु के साथ मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। मुझे उन्हें आंध्र प्रदेश के भोगापुरम स्थित अल्लुरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लुरी सीताराम राजू के नाम पर बने इस हवाई अड्डे के जरिए

उनके साहस, त्याग और देशभक्ति को सम्मान दिया गया है। टीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और सुधारों पर आधारित नेतृत्व में भारत के



नागरिक उड्डयन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का हवाई यात्रा को आसान और सस्ता बनाने का विजन लाखों लोगों का हवाई सफर करने का सपना पूरा कर रहा है। भोगापुरम हवाई अड्डे के शुरू होने से उत्तर आंध्र के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

## ●‘पीएम नरेंद्र मोदी नेतृत्व में भारत ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।’

# राम मंदिर ट्रस्ट सख्त: एसबीआई पर उठाए सवाल, प्रवक्ता नियुक्त होगा

## ●सीईओ चयन को मिला एक माह का और समय

एजेंसी अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की बुधवार को हुई न्यासी मंडल की बैठक में चढ़वा राशि की गणना में सामने आई अनियमितताओं, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की भूमिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन, मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में चढ़वा राशि की गणना, न्यासी मंडल के रिक्त पदों की पूर्ति, सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया और

जताते हुए वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों और मानक प्रक्रियाओं की समीक्षा के निर्देश दिए। वहीं, समाज के साथ नियमित संवाद के लिए प्रवक्ता नियुक्त करने और पूजा-अर्चना की शुचिता बनाए रखने के लिए धार्मिक समिति के पुनर्गठन का भी निर्णय लिया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महापंत्री कृष्ण मोहन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल नवमी के अवसर पर अयोध्या में आयोजित न्यासी मंडल की बैठक में श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में चढ़वा राशि की गणना, न्यासी मंडल के रिक्त पदों की पूर्ति, सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया और

मंदिर प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रस्ट ने बताया कि चढ़वा



राशि की गणना में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। इसी कारण इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय नहीं लिया जा

सका। साथ ही, इस मामले में उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं और न्यायालय के आदेशों का भी सज्जन लिया गया। बैठक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ चढ़वा राशि की गणना के लिए हुए एमओयू की समीक्षा की गई। ट्रस्ट ने कहा कि बैंक की जिम्मेदारियों के निर्वहन में सामने आई त्रुटियों और अनियमितताओं के उजागर होने के बाद बैंक की प्रतिक्रिया अपेक्षित गंभीरता वाली नहीं रही। इस पर न्यासी मंडल ने निराशा व्यक्त करते हुए ट्रस्ट की वित्त समिति को एसबीआई के साथ भविष्य के संबंधों और पूरी कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए। न्यासियों ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की

सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि चढ़वा राशि की गणना कक्ष सहित सभी कैमरों की निगरानी तक सुरक्षा अधिकारियों की पहुंच पहले से सुनिश्चित है, जिस पर न्यासी मंडल ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक संस्थान की टकसाल (मिंट) के साथ स्वर्ण एवं रजत चढ़ावे की मात्रा और शुद्धता की जांच की व्यवस्था लगातार जारी रहेगी, ताकि पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन के लिए गठित समिति ने बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने का हवाला देते हुए चयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा।

# अनंतनाग आतंकी हमले के बाद कश्मीर में 1,000 से ज्यादा ओजीडब्लू हिरासत में लिए गए

## हेड कॉन्स्टेबल की अनंतनाग में आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या कर दी

एजेंसी अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में बुधवार को आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत के बाद सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी भर से 1,000 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्लू) को हिरासत में लिया है। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा इस्फूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की आज दोपहर करीब 12:30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने हमलावर का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया और पूरे अनंतनाग



उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हमले की निंदा करते हुए इसे काररतापूर्ण हरकत बताया और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। शहर की घेराबंदी कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर पूरी घाटी में छापेमारी शुरू की। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान 1,000 से ज्यादा ओजीडब्लू (आतंकी सहयोगी) को हिरासत में लिया गया है। साथ ही अनंतनाग ज़िले सहित कई जगहों पर तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं।

# उत्तराखंड में 26 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

## मसूरी मार्ग और केदारनाथ पैदल मार्ग प्रभावित

एजेंसी देहरादून। उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक मानसून के सक्रिय रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 22 से 26 जुलाई तक राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है। लगातार हो रही वर्षा के कारण मसूरी-देहरादून मार्ग पर भूस्खलन और केदारनाथ पैदल मार्ग पर मलबा आने से आवाजाही प्रभावित हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना है।



बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़, 24 जुलाई को देहरादून, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल, 25 जुलाई को देहरादून, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और नैनीताल तथा 26 जुलाई को उत्तरकाशी, देहरादून और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। सात दिन के पूर्वानुमान के

चट्टान गिरने और जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान लोहारखेत में 81 मिमी, मसूरी में 47.3 मिमी, उत्तरकाशी में 44 मिमी, पिथौरागढ़ में 35.4 मिमी और देहरादून में 27 मिमी वर्षा दर्ज की गई।





**डभोई**। मंगलवार को डभोई शहर के बहुत व्यस्त महुडी भागोल इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। पूरी स्पीड से आ रही एक लाल थार कार के ड्राइवर ने स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खो दिया और एक के बाद एक 3 गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हदसे में एक स्थानीय नागरिक को मामूली चोटें आईं। जैसे ही हदसा हुआ, आसपास के इलाके के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और उन्होंने लाल थार कार को घेर लिया। जांच करने पर पता चला कि कार में 6 विदेशी छत्र सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही डभोई पुलिस का एक काफिला तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस मौके पर पहुंची और कार की जां की तो उन्हें अंदर काफी मात्रा में बीयर मिली। जिसके बाद पुलिस ने इस घटना में शामिल 2 विदेशी छात्रों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए छात्रों में जॉर्मेन एंटेप और पॉल पावेल साइमन शामिल हैं। एक स्टूडेंट नशे की हालत में मिला, जबकि दूसरे स्टूडेंट के खिलाफ कार में बीयर रखने का केस दर्ज किया गया है। कार में एक लड़की समेत तीन और स्टूडेंट्स को शुरुआती पूछताछ के बाद जाने दिया गया। पुलिस ने एकसीडेंट वाली गाड़ियों को सड़क से हटाकर ट्रैफिक ठीक करवाया। फिलहाल, डभोई पुलिस ने एक लाल थार कार जब्त कर ली है और विदेशी स्टूडेंट्स के खिलाफ एकसीडेंट करने और प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

## चांदीपुरा और गांववाले महामारी के डर से बहुत गुस्से में हैं एक तरफ, प्रशासन पूर

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**गुजरात।** राज्य में सफाई अभियान को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ, डभोई तालुका के पलासवाड़ा गांव में प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पलासवाड़ा गांव के मुख्य एंटी पॉइंट (एंट्रेस) पर चारों तरफ गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ दिख रहा है। गांव के एंट्री गेट पर जमा कचरे का ढेर, बढ़ता गंदा पानी और असहनीय बदबू ने स्थानीय निवासियों और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशान कर दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ग्राम पंचायत इस इलाके की रेगुलर सफाई नहीं करती है, जिससे कचरे का एक बड़ा ढेर बन गया है। महामारी, डायरिया, उल्टी और चांदीपुरा वायरस के फैलने का डर। इस समय, चांदीपुरा वायरस और मौसमी महामारी ने पूरे गुजरात में अपना सिर उठा लिया है। पलासवाड़ा गांव में बहुत ज्यादा गंदगी होने की वजह से आस-पास के इलाके में रहने वाले लोगों में बहुत डर है। गांव वालों को डर है कि अगर इस गंदगी की वजह से इलाके में डायरिया, उल्टी, मलेरिया या चांदीपुरा जैसी कोई जानलेवा बीमारी फैल गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? एक तरफ तो सरकार सफाई अभियान के नाम पर खूब प्रचार कर रही है। अगर यहां कोई गंभीर बीमारी फैलती है तो क्या पंचायत या तालुका प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेगा? अधिकारी सिर्फ फोटो खिंचवाने तक ही सीमित हैं। गांव वालों ने तालुका पंचायत और स्थानीय प्रशासन के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि अगर डभोई तालुका पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी और गांव के सरपंच खुद आकर गांव का दौरा करें तो उन्हें पता चल जाएगा कि गांव वाले कितनी बुरी हालत में जी रहे हैं। आरोप है कि अधिकारी सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए आते हैं लेकिन मौके पर आकर काम करने में किसी की दिलचस्पी नहीं है। जल्द सफाई की मांग की जा रही है।

## चांदीपुरा और गांववाले महामारी के डर से बहुत गुस्से में हैं

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**गुजरात।** राज्य में सफाई अभियान को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ, डभोई तालुका के पलासवाड़ा गांव में प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पलासवाड़ा गांव के मुख्य एंटी पॉइंट (एंट्रेस) पर चारों तरफ गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ दिख रहा है। गांव के एंट्री गेट पर जमा कचरे का ढेर, बढ़ता गंदा पानी और असहनीय बदबू ने स्थानीय निवासियों और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशान कर दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ग्राम पंचायत इस इलाके की रेगुलर सफाई नहीं करती है, जिससे कचरे का एक बड़ा ढेर बन गया है। महामारी, डायरिया, उल्टी और चांदीपुरा वायरस के फैलने का डर। इस समय, चांदीपुरा वायरस और मौसमी महामारी ने पूरे गुजरात में अपना सिर उठा लिया है। पलासवाड़ा गांव में बहुत ज्यादा गंदगी होने की वजह से आस-पास के इलाके में रहने वाले लोगों में बहुत डर है। गांव वालों को डर है कि अगर इस गंदगी की वजह से इलाके में डायरिया, उल्टी, मलेरिया या चांदीपुरा जैसी कोई जानलेवा बीमारी फैल गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? एक तरफ तो सरकार सफाई अभियान के नाम पर खूब प्रचार कर रही है। अगर यहां कोई गंभीर बीमारी फैलती है तो क्या पंचायत या तालुका प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेगा? अधिकारी सिर्फ फोटो खिंचवाने तक ही सीमित हैं। गांव वालों ने तालुका पंचायत और स्थानीय प्रशासन के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

#### अहमदाबाद: बेहरामपुरा में युवक की धारदार हथियार से हत्या: आपसी रंजिश में झगड़े के बाद हत्या की चर्चा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**अहमदाबाद।** शहर के पूर्वी इलाके बेहरामपुरा के संतोषनगर में चांद शहीद मस्जिद वाली गली में हुसैन सैयद नाम के युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हुसैन सैयद नाम के युवक की हत्या सोहेल पठान नाम के युवक ने कल देर रात (21 जुलाई) आपसी रंजिश में की। दानिलिमडा पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने अब आरोपी को पकड़ लिया है और उसे गिरफ्तार करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्या आपसी रंजिश में किए जाने की चर्चा है, जिसकी पुलिस जांच भी कर रही है।
जोन 6 DCP भागीरथ गढ्वी ने बताया कि दानिलिमडा इलाके में संतोष नगर के पास देर रात हत्या की घटना हुई। मृतक का नाम हुसैन सैयद और आरोपी का नाम सोहेल पठान है। आरोपी अपने रिश्तेदार के घर डिनर के लिए आया था और फिर घर से निकल गया और पुरानी रंजिश के कारण दोनों के बीच झगड़ा हो गया जिसमें उन पर हथियारों से हमला किया गया।

# करजण में ‘खाकी’ और ‘खादी’ के काले धंधे में बड़ा धमाका! जेल रिटर्न वहीवटदार हनुभा और LCB ASI भूपत रबारी के राज में होम मिनिस्टर के ‘जीरो टॉलरेंस’ की तस्वीर

## 99 गांवों में किश्त राज का गढ़, हर महीने करोड़ों की काली कमाई का अड्डा पुलिस स्टेशन से 2 km दूर देसी-विदेशी शराब और वर्ली मटका का अड्डा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन**

**डभोई/करजण/वडोदरा।** गांधी के गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर ही रह गई, ऐसी कई कहानियां आपने सुनी होंगी, लेकिन वडोदरा जिले के करजण तालुका में जिस तरह कानून की धज्जियां उड़ रही हैं, उससे पूरा होम मिनिस्ट्री और राज्य की पुलिस फोर्स शर्मसार होने वाली है। करजण पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे, सिर्फ 2 किलोमीटर दूर, करमडी गाँव से लेकर, जो करजण पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे है, पूरे तालुका के लगभग 99 गाँवों में देसी-विदेशी शराब की भट्टियाँ और वर्ली मटका जुए के अड्डे खूब चलते हैं। सत्ता के नशे में अंधे ‘खादी’ और वसूली में अंधे ‘खाखी’ के गठजोड़ ने करजण तालुका को जुर्म का सड़ा हुआ अड्डा बना दिया है!

#### हर गाँव में फैला शराब और जुए का काला जाल: ऑकड़ों के साथ एक चौकाने वाला खुलासा

करजण तालुका में यह काला धंधा कहाँ, किसके संरक्षण में और किन आकाओं की छत्रछया में होता है, इसकी पूरी लिस्ट यहाँ है करमडी गाँव (पुलिस स्टेशन से 2 km): करजण पुलिस स्टेशन से थोड़ी ही दूर इस गाँव में देसी शराब की भट्टियों से दिन-रात धुआँ निकलता रहता है। पुलिस की गाड़ियाँ हॉर्न बजाते हुए गुजरती हैं लेकिन उनकी इन भट्टियों तक पहुँचने की हिम्मत नहीं होती! **कुराली गांव (नई नमरी):** पानी की टंकी के पास ‘नागिन’ नाम का आदमी खुलेआम वर्ली मटका के नंबरों पर जुआ खेल रहा है और युवाओं की मेहनत की कमाई लूट रहा है।

#### सपा गांव: नई बस्ती के पास, एक और जुए का अड्डा वही ‘नागिन’ बेखौफ चला रहा है।

**रानापुर और चिमकी गांव:** सनसनीखेज आरोप लग रहे हैं कि चिमकी गांव में राणापुर गांव के सरपंच पार्थ शाह द्वारा बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बेची जा रही है, जिसे BJP युवा मोर्चा का सपोर्ट है।

**कंडारी गांव:** प्रदीप वसावा नाम का आदमी टावर के

# CM भूपेंद्र पटेल ने कहा- जनता की सेवा और ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाएं 301 टैक्स इंस्पेक्टरों को अपॉइंटमेंट लेटर देना गलत

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**गांधीनगर।** राज्य के टैक्स डिपार्टमेंट को और मजबूत करने के लिए, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को गांधीनगर में हुए एक समारोह में GPSC द्वारा चुने गए 301 स्टेट टैक्स इंस्पेक्टरों को अपॉइंटमेंट लेटर दिए। कार्यक्रम में डिटी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी, फाइनेंस मिनिस्टर कनु देसाई और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे। सभी नए नियुक्त अधिकारियों को बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म’ मंत्र का जिक्र किया और लगन, ट्रांसपेरेंसी और ईमानदारी के साथ जनता की सेवा की भावना से अपनी ड्यूटी निभाने का मैसेज दिया।

#### 2.35 लाख में से सिर्फ 301 कैडिडेट चुने गए

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि 2.35 लाख कैडिडेट में से सिर्फ 301 कैडिडेट चुने गए हैं, जो उनकी कड़ी मेहनत और काबिलियत को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी

## अहमदाबाद: शाहीबाग अंडरपास 24.81 करोड़ रुपये की लागत से फिर से बनेगा, दो साल में बनकर तैयार होगा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**अहमदाबाद।** पुराने ओवरब्रिज के फिर से बनने के बाद, अब अंडरपास को फिर से बनाने का काम शुरू किया गया है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर के सबसे व्यस्त माने जाने वाले शाहीबाग अंडरपास को 24.81 करोड़ रुपये की लागत से फिर से बनाने की योजना बनाई है। इस संबंध में अभी टेंडर प्रोसेस चल रहा है और अगले दो से तीन महीनों में वर्क ऑर्डर देकर काम शुरू कर दिया जाएगा। नए अंडरपास को बनने में करीब दो साल लगेंगे, इसलिए हल सकता है कि यह अंडरपास अक्टूबर से दो साल के लिए बंद रहे। ट्रैफिक की समस्या को हमेशा के लिए हल करने के लिए पुराने डिजाइन में जरूरी बदलाव किए जा सकते



**हनुभा कामडिया**  
करजन पुलिस स्टेशन

पास धड़ल्ले से अंग्रेजी शराब बेच रहा है।

**बरियावास:** यहां परेश कांतिलाल नाम का एक आदतन बूटलेगर विदेशी शराब का खुला धंधा करता है।

**सस्पेंड वहीवटदार की वापसी:** ‘पुलिस वहीवटदार खुद एक बड़ा बूटलेगर है! इस पूरे स्कैम में सबसे शर्मनाक बात खाकी वर्दी में छिपे कुछ कथित ‘वहीवटदार’ का खेल है:

**1. सस्पेंडेड हनुभा कामडिया की दादागिरी:** हनुभा कामडिया नाम का एक कर्मचारी, जो पहले विदेशी शराब के एक गंभीर मामले में शामिल था, जेल गया था और सस्पेंड भी हुआ था, उसे करजन के एक ताकतवर नेता के कहने पर फिर से करजन पुलिस स्टेशन में पोस्ट किया गया है! सूत्रों के चौकाने वाले खुलासे के मुताबिक, करजन सब-जेल या तालुका में कहीं से भी पकड़ी गई अंग्रेजी शराब को जब्त करने के बजाय, हनुभा उसे



**भूपत रबारी**  
ASI, LCB बड़ौदा जिला

पास धड़ल्ले से अंग्रेजी शराब बेच रहा है।

**बरियावास:** यहां परेश कांतिलाल नाम का एक आदतन बूटलेगर विदेशी शराब का खुला धंधा करता है।

**सस्पेंड वहीवटदार की वापसी:** ‘पुलिस वहीवटदार खुद एक बड़ा बूटलेगर है! इस पूरे स्कैम में सबसे शर्मनाक बात खाकी वर्दी में छिपे कुछ कथित ‘वहीवटदार’ का खेल है:

**1. को कर्मचारी शराब के मामले में जेल जा चुका है, उसे किस आका के कहने पर दोबारा करजन में खड़ा किया गया**
**2. थाने से सिर्फ 2 km दूर चल रही शराब की फैक्ट्रियां जिले के SP या LCB PI को क्यों नहीं दिखतीं? क्या किश्त का हिस्सा उन तक पहुंचता है?**

**3. हनुभा कामडिया जो शराब तस्करों को बेचता है, उसके खिलाफ केस कब दर्ज करके उसे जेल में**

बूटलेगरों को बेच देता है और लाखों रुपये की काली कमाई करता है।

**2. LCB ASI भूपत रबारी का असर:** आरोप हैं कि डभोई बंट में ड्यूटी पर तैनात ASI भूपत रबारी, जिस पर पूरे जिले के LCB का वहीवटदार चलाने का आरोप है, के पास जिले के पुलिस चीफ (SP) से भी ज्यादा पावर और असर है। 3. 99 गांव और करोड़ों का काला धन: करजन तालुका के 99 गांवों से, अगर हम हर गांव से 1 से 1.5 लाख रुपये की किस्त भी मानें, तो हर महीने करोड़ों रुपये का काला धन इकट्ठा करके बड़े अधिकारियों तक पहुंचाया जाता है! इसके अलावा, ताकतवर नेताओं को तोहफे के तौर पर महंगी विदेशी शराब की बोतलें पहुंचाई जाती हैं। गृह राज्य मंत्री के ‘जीरो टॉलरेंस’ के दावे को खुली चुनौती राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी अक्सर शराब और गैर-कानूनी कार्माों के खिलाफ ‘जीरो टॉलरेंस’ वाले भाषण देते हैं। लेकिन करजन के इन नजारों को देखकर ऐसा लगता है कि खाकी वर्दी और राजनीतिक कंगन पहने भ्रष्ट नेता सीधे गृह मंत्री के आदेशों को रौंद रहे हैं। युवा शराब और जुए में बर्बाद हो रहे हैं और प्रशासन मलाई खाने में व्यस्त है!

’महानगर मेट्रो के 5 जानलेवा सवाल अगर प्रशासन में हिम्मत है, तो जवाब दे

4. क्या यह सच है कि डभोई बिट का ASI भूपत रबारी पूरे जिले की LCB चलाता है?

5. अगर करजण में शराब और जुए की वजह से कोई परिवार बर्बाद होता है या हत्या जैसा जुर्म होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? SP, LCB PI या स्थानीय MLA के? स्थानीय लोगों में गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। ‘महानगर मेट्रो’ चेतावनी देता है कि अगर तुरंत छापे नहीं मारे गए और इन भ्रष्ट हड़पने वालों और शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो करजण के लोग सड़कों पर उतरेंगे और इस काली जंजीर को तोड़ देंगे!

### अहमदाबाद: शेला में मिले तेंदुए के बच्चे पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने सफाई दी

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**अहमदाबाद।** शेला में शरणदीप सोसाइटी के बगल में मौजूद ग्रीनफील्ड सोसाइटी में आज (22 जुलाई) सुबह 7 बजे एक कार के नीचे से तेंदुआ निकलने की चर्चा के बीच फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने सफाई दी है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की टीम ने मौके का मुआयना किया और पाया कि वह तेंदुआ नहीं बल्कि बिल्ली थी। इसके साथ ही फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने लोगों से अफवाह न फैलाने की अपील की है। इससे पहले, लोकल लोगों ने कहा था कि आज सुबह एक तेंदुआ देखा गया था। सुबह की सैर पर निकले लोगों ने भी कहा कि उन्होंने एक तेंदुआ देखा है। घुमा गांव के पूर्व सरपंच जगदीशभाई पटेल ने दिव्य भास्कर को बताया कि मेरी सोसाइटी के सामने एक गैरज है और आज सुबह जब उस गैरज का आदमी वहां से गुजर रहा था, तो एक कुत्ता भौंक रहा था। जब गैरज का आदमी अपना काम खत्म करके लौट रहा था, तब भी कुत्ता जोर-जोर से भौंक रहा था। फिर उन्होंने कार के नीचे पत्थर फेंका और देखा कि वहां से तेंदुए के बच्चे जैसा कोई जानवर निकल रहा है। बाद में जब CCTV चेक किया गया तो उसमें वह दिख गया। साणंद के RFO हेरश देसाई ने कहा कि आज फिर से तेंदुआ दिखने के जो मैसेज मिले हैं, उनके हिसाब से हमने और हमारी टीमों ने साइट का इंस्पेक्शन किया है। साइट इंस्पेक्शन के बाद पता चला है कि यह जंगली जानवर तेंदुआ नहीं है। और जो मैसेज सक्लूेट रो रहे हैं, उनके बारे में अहमदाबाद की जनता और पूरे लोगों से अपील है कि ऐसे कोई भी बूटे मैसेज सक्लूेट न करें। जब भी कोई जानकारी मिले, तो सबसे पहले फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से कॉन्टैक्ट करें। पिछली बार तेंदुआ दिखने के बाद, कहीं भी तेंदुआ दिखने का कोई पक्का सबूत नहीं मिला है। और यह विनम्र निवेदन है कि सोशल मीडिया पर अक्सर जो अफवाहें फैलाई जाती हैं, उन्हें न फैलाएं। और अब से अगर ऐसी कोई अफवाह फैलाई जाती है और लोगों को इस तरह गुमराह किया जाता है जिससे और ज्यादा पैनिक हो, तो उनके खिलाफ जरूर लॉगल एक्शन लिया जाएगा।

### दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध एवं शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 23 जुलाई को निकलेगा शांतिपूर्ण पैदल मार्च

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**नागदा।** दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता बसंत मालपानी 23 जुलाई (गुरुवार) को शाम 5:00 बजे अपने तीन बच्चों के साथ मंडी थाना चौराहा से बस स्टैंड स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा तक शांतिपूर्ण एवं गैर-राजनीतिक पैदल मार्च निकालेंगे। बसंत मालपानी ने बताया कि वे इस मार्च में अपने तीन बच्चों को इसलिए साथ लेकर चल रहे हैं, क्योंकि वह आंदोलन आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा हुआ है। उनका मानना ​​है कि यदि आज शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा के लिए समाज आवाज नहीं उठाएगा, तो इसका सबसे बड़ा प्रभाव आज के बच्चों और उनके भविष्य पर पड़ेगा। बच्चों की उपस्थिति इस बात का प्रतीक होगी कि यह संघर्ष किसी व्यक्ति या दल का नहीं, बल्कि देश के हर विद्यार्थी और उनके उज्ज्वल भविष्य का है- उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। छात्रों पर बल प्रयोग किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और विद्यार्थियों की बात को सम्मानपूर्वक सुना जाना समय की आवश्यकता है। बसंत मालपानी ने सभी जागरूक नागरिकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों से अपील की है कि वे इस शांतिपूर्ण पदयात्रा में शामिल होकर शिक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों और देश के भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दें।



नमस्ते सर्कल की तरफ जा सकेंगी। गौरतलब है कि बुलेट ट्रेन कॉरिडोर भी इसी अंडरपास के ऊपर से गुजरता है।

#### गाड़ी चलाने वालों के लिए ट्रैफिक सिरदर्द बनेगा

सुभाष ब्रिज गिराए जाने के बाद ट्रैफिक को शाहीबाग अंडरपास की तरफ मोड़

दिया गया था। इसके अलावा, असरवा और सारांगपुर रेलवे ओवरब्रिज भी अभी बंद हैं। ऐसे में, अब जब शाहीबाग अंडरपास भी बंद है, तो एयरपोर्ट से दिल्ली दरवाजा और घीकांटा की तरफ जाने वाले गाड़ी चलाने वालों को दूसरे रास्ते ढूंढने होंगे, जिससे शाहीबाग, असरवा और कालुपुर रोड पर ट्रैफिक की गंभीर समस्या हो सकती है।

संक्षिप्त न्यूज

35 से ज्यादा मामलों में शामिल कुख्यात तस्कर नरेश रावल गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 से अधिक प्रोहिबिशन मामलों में शामिल और 7 मामलों में वांछित कुख्यात तस्कर नरेश रावल को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी राजस्थान से शराब मंगवाकर अहमदाबाद, सूरत सहित गुजरात के कई जिलों में सप्लाई करता था। गिरफ्तारी के बाद उसके पूरे नेटवर्क और सहयोगियों की जांच शुरू कर दी गई है।

अहमदाबाद में 'डेवलाउंड इंडिया 2047' राष्ट्रीय सम्मेलन, शिक्षा और युवा शक्ति पर मंचन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 'डेवलाउंड इंडिया 2047' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्युम्न वाजा और मेयर हिंशा बारोट ने भाग लिया। डॉ. वाजा ने कहा कि नई शिक्षा नीति, शोध और नवाचार विकसित भारत की मजबूत नींव हैं, जबकि मेयर बारोट ने अहमदाबाद को शिक्षा और आधारभूत विकास का अग्रणी शहर बताया। सम्मेलन में प्रोफेसर्स, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने शिक्षा सुधार, युवा शक्ति और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर विस्तार से चर्चा की।

युवाओं के मुद्दों पर कलाकारों की चुप्पी पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जारी बहस के बीच कुछ कलाकारों की भूमिका पर सवाल उठे हैं। आलोचकों का कहना है कि युवाओं के संघर्ष के समय समाज के प्रभावशाली लोगों को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उनका आरोप है कि कुछ कलाकार युवाओं का समर्थन करने के बजाय उनके आंदोलनों पर सवाल उठा रहे हैं। लेख में युवाओं के भविष्य, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर समाज से एकजुट होकर सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की गई है।

ऊंझा में फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, घर में चला रहा था अवैध विलनिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। ऊंझा के टंडाव गांव में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस को संयुक्त कार्रवाई में बिना मान्यता प्राप्त डिग्री के एलोपैथिक इलाज कर रहे विषय बारोट को गिरफ्तार किया गया। आरोपी केवल 12वीं पास बताया गया है और अपने घर से अवैध क्लिनिक संचालित कर रहा था। छापे के दौरान 17,500 की दवाएं और चिकित्सीय उपकरण जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अंबाजी तीर्थस्थल के पास गम्बर में एक तीर्थयात्री से बाथरूम इस्तेमाल करने के 10 रुपये लिए जा रहे हैं।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। तीर्थस्थल के पास गम्बर में तीर्थयात्रियों के लिए जो टॉयलेट बनाए गए हैं, उनके ऑपरेशन टॉयलेट के नाम पर लूट रहे हैं, जो पुरुषों से पेशाब करने के लिए पांच रुपये और महिलाओं से दस रुपये लेते हैं। इससे पहले, ऐसे बाथरूम के नाम पर पचास रुपये मांगने का एक वीडियो वायरल हुआ था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक बार फिर, इन ऑपरेटर्स ने अपनी जगह बना ली है और अब गम्बर आने वाले तीर्थयात्रियों से बीस रुपये, दस रुपये, पांच रुपये दवाबं से वसूलें जा रहे हैं। अगर कोई पैसे नहीं देता है, तो वे एक के बाद एक गाड़ियों में जाकर तीर्थयात्रियों से पैसे वसूलते हैं। गम्बर और अंबाजी में, ऐसे ऑपरेटर बाथरूम के नाम पर एक दिन में हजारों रुपये वसूलते हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा टैंडर रद्द या ब्लैकलिस्ट नहीं किए जाते हैं। तीर्थयात्रियों से पैसे लेते हुए उनके वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं। अधिकारी अनजान क्यों हैं? सवाल उठ रहे हैं कि उग्रादी में लूटे जा रहे यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

राहुल का आरोप: पुलिस ने कहा- सरकार हटाइए मुझे घसीटा और मारा; धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और हथध्धन्न परीक्षा विवाद को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल ने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें घसीटा, जिससे उनके मुंह से खून निकल आया और दो-तीन पंच भी मारे गए। उन्होंने कहा कि एक पुलिसकर्मी ने उनके कान में कहा, 'सरकार को हटाइए।' राहुल ने कहा कि छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता लोकतंत्र पर हमला है और इसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ देना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने स्लाइड और वीडियो प्रस्तुति के जरिए 20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन के कई दृश्य दिखाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अचानक लाठीचार्ज किया गया, कई छात्र घायल हुए और महिला प्रदर्शनकारियों के साथ भी पुलिस ने कथित बदसलुकी की। राहुल ने दावा किया कि एक वीडियो में छात्र के शरीर पर पैलेट गन के छर्रे दिखाई दिए, हालांकि दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन के इस्तेमाल के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने DCP संदीप लांबा पर एक छात्रा को थपपड़ मारने के आरोपों का भी उल्लेख किया। राहुल गांधी ने NEET पेपर लीक को देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 से अधिक



पेपर लीक हुए, जिनसे लगभग 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए, लेकिन किसी भी बड़े दोषी को सजा नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि भारतीय परिवार NEET की तैयारी पर लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं, जो देश के शिक्षा बजट के लगभग बराबर है। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा करने में विफल रही है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस ने प्रधानमंत्री आवास की ओर अचानक मार्च निकालकर भी सरकार को घेरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छात्र आंदोलन के समर्थन में अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कई वरिष्ठ नेता खड़गे के आवास पर पहुंचे और बैठक समाप्त होते ही पैदल मार्च शुरू कर दिया। कांग्रेस नेताओं के अचानक निकले इस मार्च से सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस भी कुछ समय के लिए चौंक गई। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वे पिछले दो वर्षों से लगातार दस्तावेज, आंकड़े और वीडियो के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं ताकि अपने आरोपों को तथ्यों के आधार पर जनता के सामने रखा जा सके। इससे पहले वे शेयर बाजार, चुनावी अनियमितताओं और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर भी इसी तरह प्रस्तुति दे चुके हैं। इस बार उन्होंने NEET परीक्षा विवाद, कथित पेपर लीक और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग दोहराई।



कांग्रेस की अराजकता के खिलाफ गुजरात BJP का जबरदस्त गुस्सा: जगदीश पांचाल ने प्रदेश कांग्रेस ऑफिस पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी साहेब के घर के पास की गई अराजकता के खिलाफ पूरे गुजरात में BJP कार्यकर्ताओं में जबरदस्त गुस्सा है। कांग्रेस की इस अराजक राजनीति के विरोध में, BJP के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस ऑफिस (राजीव गांधी भवन) पर इकट्ठा हुए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लोकतांत्रिक मूल्यों के अपमान के खिलाफ BJP नेता सड़क पर उतरे इस विरोध प्रदर्शन में राज्य BJP के बड़े नेता जगदीश पांचाल समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। BJP कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विरोधी नारे लगाकर और तख्तियां दिखाकर लोकतांत्रिक परंपराओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ अपना जबरदस्त गुस्सा जाहिर किया।

साबरकांठा स्कूल में ज्ञान सहायक का दूसरा कैंप, 251 पोस्ट के लिए सिलेक्शन प्रोसेस चल रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। साबरकांठा जिले में आज ज्ञान सहायक टीचरों के स्कूल सिलेक्शन के लिए दूसरा कैंप लग रहा है। इस कैंप में कुल 477 पोस्ट में से पहले कैंप में 226 पोस्ट भरी गईं। आज दूसरा कैंप हिम्मतनगर में बेरना रोड से कांकरोल रोड पर मौजूद न्यू एजुकेशन हाई स्कूल के तत्वम भवन में चल रहा है। हायर सेकेंडरी डिपार्टमेंट में 14 सबजेक्ट्स के लिए टीचर्स का सिलेक्शन किया जा रहा है। जिसमें केमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स, बायोलॉजी, इकोनामिक्स, फिलॉसफी, हिस्ट्री, साइकोलॉजी, जियोग्राफी, सोशियोलॉजी, इंग्लिश, हिंदी, गुजराती, संस्कृत और कॉमर्स सबजेक्ट्स शामिल हैं। इस सेक्शन में कुल 256 पोस्ट में से पहले कैंप में 89 पोस्ट भरे गए, जबकि 167 पोस्ट खाली हैं। सेकेंडरी सेक्शन में 9 सबजेक्ट के लिए सिलेक्शन प्रोसेस चल रहा है। इन सबजेक्ट में इंग्लिश, हिंदी, गुजराती, संस्कृत, मैथ, सोशल साइंस, आर्ट, योग और हेल्थ के साथ-साथ कंप्यूटर शामिल हैं।

अंबाजी अंडरपास प्रोजेक्ट में तेज़ी लाने के लिए, PSP प्रोजेक्ट के भारी वाहनों को ट्रैफिक पाबंदियों से छूट दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूर

अंबाजी। अंडरपास का काम समय पर पूरा हो, इसके लिए डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट श्री मिहिर पटेल ने पहले घोषित ट्रैफिक पाबंदियों में थोड़ा बदलाव किया है ताकि अंबाजी टाउन में अंडरपास का कंस्ट्रक्शन समय पर पूरा हो सके और अंबाजी मंदिर कॉम्प्लेक्स डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के काम से जुड़े PSP प्रोजेक्ट लिमिटेड के कंस्ट्रक्शन मटीरियल और भारी मशीनरी ले जाने वाले वाहनों को पाबंदियों से छूट दी गई है। पहले जारी आदेश

के अनुसार, अंबाजी टाउन में अंडरपास के काम के कारण, 12 मीटर से ज्यादा लंबे और दो या उससे ज्यादा एक्सल वाले भारी वाहनों के साथ-साथ 15 मीटर से ज्यादा लंबे आर्टिकुलेटेड वाहनों की एंट्री छूट. त्रिवेदी सर्कल और गम्बर सर्कल पर 25 मई, 2026 से रोक रहेगी। यह रोक 28 फरवरी, 2027 तक हर दिन सुबह 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक लगाई गई है। गुजरात पब्लिक यात्रा धाम विकास बोर्ड, गांधीनगर के चीफ इंजीनियर की रिपोर्ट पर गौर करने पर पता चला कि इस रोक की वजह से प्रोजेक्ट के



लिए जरूरी कंस्ट्रक्शन मटीरियल और भारी मशीनरी पहुंचाने में दिक्कत हो रही थी और काम में देरी हो रही थी। इसलिए, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने एक बदला हुआ ऑर्डर जारी किया है, जिसमें PSP प्रोजेक्ट लिमिटेड की

गुलटोरा हेल्थ डिपार्टमेंट की सावधानी से जन्मजात विकृति वाले नवजात का सफल ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। डिलीवरी झालोद तालुका के गुलटोरा गांव की रहने वाली श्रीमती जशदाबेन सुरेशभाई निस्तरता के घर पर 04/07/2026 को महिष हॉस्पिटल, झालोद में हुई। डिलीवरी के बाद, नवजात को इम्परफोरेट एनस नाम की जन्मजात विकृति का पता चला। जैसे ही यह पता चला, गुलटोरा प्राइमरी हेल्थ सेंटर की RBSK टीम ने दाहोद जिले के चीफ डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. उदय तिलावत और झालोद तालुका हेल्थ ऑफिसर डॉ. तुषार भाभोर के गाइडेंस में तुरंत एक्शन लिया। PHC के डॉक्टर डॉ. महेश गणावा, RBSK टीम और MPHS अतुलभाई की मदद से बच्चे के माता-पिता को सही गाइडेंस दी गई। बच्चे को आगे के इलाज के लिए तुरंत सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां जरूरी मेडिकल जांच और इलाज के बाद, 06/07/2026 को नवजात का सफल ऑपरेशन किया गया। एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन एक तरह की जन्मजात कंडीशन है जिसमें नवजात बच्चे का एनस और रेक्टम नॉर्मल तरीके

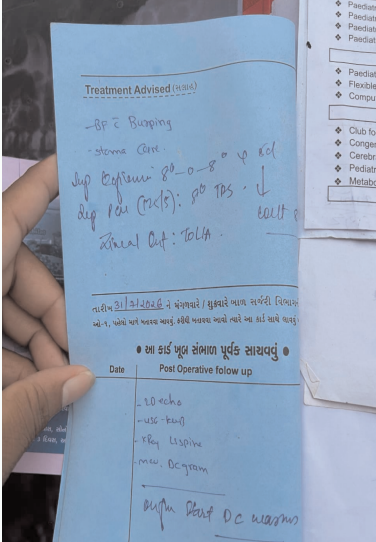
से डेवलप नहीं होता है। इस कंडीशन में, एनस का मुंह पूरी तरह से खुला न होना, एनस सही जगह पर न होना या रेक्टम का एनस से ठीक से जुड़ा न होना जैसी दिक्कतें देखी जा सकती हैं। हर बच्चे में इस मैलफॉर्मेशन की गंभीरता अलग-अलग हो सकती है। कुछ मामलों में, कंडीशन हल्की होती है, जबकि कुछ मामलों में एनस का मुंह पूरी तरह से बंद हो जाता है। ऐसी स्थिति में, जल्दी डायग्नोसिस और तुरंत इलाज बहुत जरूरी हो जाता है।

नाए जन्मे बच्चे में ये लक्षण दिख सकते हैं

एनस का न होना या असामान्य विकास स्टूल पास करने में मुश्किल ब्लॉटिंग कब्ज या मल त्याग में मुश्किल एनस की असामान्य स्थिति कुछ मामलों में, यूरिनरी या रिप्रोडक्टिव सिस्टम से जुड़ी दूसरी जन्मजात विकृतियां एनोरेक्टल विकृतियों का इलाज बच्चे में विकृति के प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करता है। सर्जिकल इलाज आमतौर पर मेडिकल एक्सपर्ट की सलाह के अनुसार किया जाता है। कुछ मामलों में, कोलोस्टॉमी की जा



सकती है, एनोरेक्टल डिफॉर्मेशन जैसी जन्मजात बीमारियों में जल्दी डायग्नोसिस, सही गाइडेंस और समय पर इलाज बहुत जरूरी है। गुलटोरा प्राइमरी हेल्थ सेंटर, RBSK टीम और MPHS



के डॉक्टरों के समय पर काम और सही गाइडेंस की वजह से, नवजात को तुरंत एडवांस ट्रीटमेंट मिला और उसका सफल ऑपरेशन हो सका।

अहमदाबाद: वटवा में वंदरावत झील में दो बच्चे डूबे, पूरी रात तलाश जारी रही



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वंदरावत झील में कल शाम नहाने गए दो बच्चों की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। पूरी रात तलाश के बाद सुबह अरमान इस्लामुद्दीन (13) और मोहम्मद अली यादाली सैयद की लाशें मिलीं। दोनों वटवा में जिया मस्जिद के पास रहते थे। पुलिस ने एक्सपीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। वटवा से एक चौकाने वाली खबर सामने आई है। यहां कल शाम वंदरावत झील में दो बच्चे लापता हो गए थे। इसकी जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड, पुलिस और दूसरी रेस्क्यू टीमों मौके पर पहुंचीं। रात भर दोनों बच्चों को ढूंढने का ऑपरेशन चलाया गया, जो

सुबह पूरा हुआ। फिर दो बच्चों की लाशें मिलीं।

वटवा पुलिस ने दी जानकारी

इस मामले में जानकारी देते हुए वटवा के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने कल रात से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया हुआ था और आज सुबह दोनों बच्चों की लाशें मिलीं, जिसके बाद इलाके में दुख का माहौल है। मरने वालों की पहचान 13 साल के अरमान इस्लामुद्दीन और मोहम्मद अली यादाली सैयद के तौर पर हुई है। ये दोनों बच्चे वटवा में जिया मस्जिद के पास के इलाके में रहते थे। पुलिस ने एक्सपीडेंटल डेथ का केस दर्ज कर कार्रवाई की।

रेप केस में आरोपी को उम्रकैद 9 साल की बच्ची को समोसा खिलाने का लालच देकर झाड़ियों में ले गया किसी सीक्रेट जगह पर शराब पिलाकर रेप किया और पीटा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 2020 में राजस्थान के आरोपी मुकेश पट्टियार के खिलाफ अहमदाबाद के निकोल पुलिस स्टेशन में IPC, POCSO और एट्रोसिटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। उसके केस की सुनवाई अहमदाबाद रूरल कोर्ट की POCSO स्पेशल कोर्ट में हुई। जज बी.एस. मेहता ने सरकारी वकील भरतसिंह.सी.राठौर की दलीलों, 18 गवाहों और 25 सबूतों की जांच के बाद आरोपी को उम्रकैद और 6.35 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

9 साल की बच्ची से रेप किया

केस को डिटेल में देखें तो आरोपी पहले अपनी 9 साल की बेटी को समोसा दिलाने का लालच देकर एक समोसे की दुकान पर ले गया। वहां उसने उसे समोसा

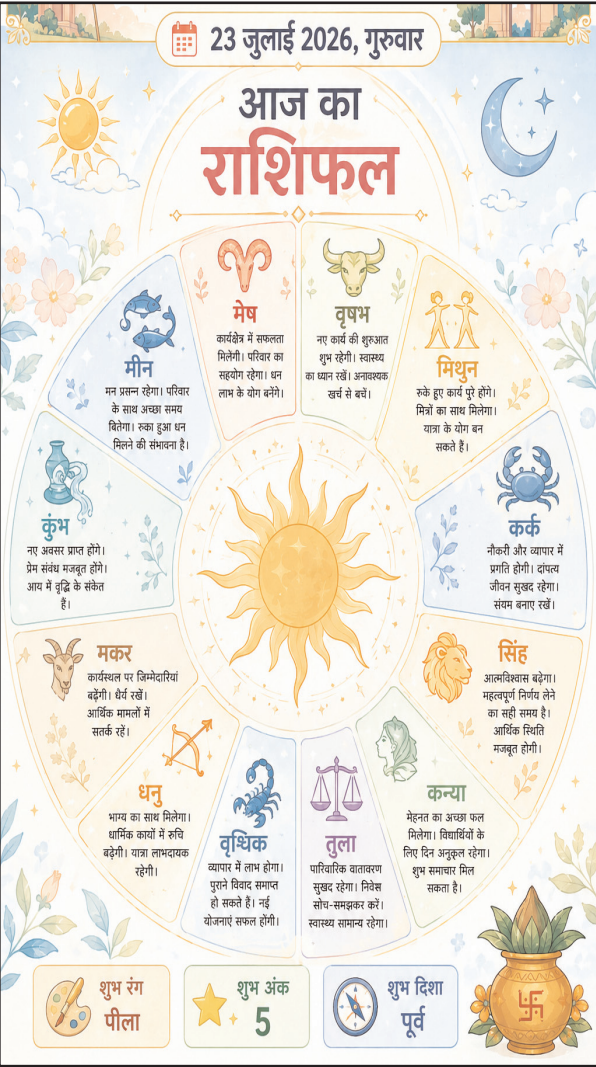
रेप केस में आरोपी को उम्रकैद 9 साल की बच्ची को समोसा खिलाने का लालच देकर झाड़ियों में ले गया किसी सीक्रेट जगह पर शराब पिलाकर रेप किया और पीटा

बेटी ने यह बात तब बताई जब उसने अपनी मां को बताया।

जब उसकी बेटी रोती हुई घर आई तो उसके हाथ में समोसे थे और मुकेश भी उसके पीछे था। उसकी मां ने उससे पूछा और उसे पूरी सच्चाई बताई। उसने कोर्ट और मेडिकल जांच के लिए डॉक्टर के सामने भी पूरी सच्चाई बताई।

आरोपी को उम्रकैद और 6.35 लाख रुपये का जुर्माना

सरकारी वकील भरतसिंह राठौड़ ने कहा कि चूंकि आरोपी ने एक लड़की के साथ धिनीन और पापपूर्ण काम किया है, इसलिए उसे अधिकतम सजा मिलनी चाहिए। कोर्ट ने आरोपी को उम्रकैद और 6.35 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माने की रकम पीड़िता को सुआवजे के तौर पर दी जाएगी।



## युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?



पवन माकन  
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव व आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रशन बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फौंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुंचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कोलों बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहीं दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का



आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोल्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने

जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है। बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पथरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी

दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बबरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बबरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संधिध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है ?

### संपादकीय

#### कचरे का संकट

यह हमारी व्यवस्था की विडंबना ही है कि सड़कों व सार्वजनिक स्थलों में पसरा कचरा हटाना हमारी प्राथमिकता नहीं बनता। यह कचरा केवल दिखने में ही बुरा नहीं लगता बल्कि कई तरह के रोगों को जन्म देकर सार्वजनिक संकट का कारक भी बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण सफाई का काम करने वाला वर्ग आर्थिक व समाज की दृष्टि से सबसे ज्यादा उपेक्षित रहता है। कमोवेश पंजाब की सड़कों पर जमा कचरा यही संकट दर्शा रहा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच घातक बीमारियां फैलने के खतरे की लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की चेतावनी यह बताती है कि शहरी जीवन के लिये मूलभूत नागरिक सेवाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। खासकर मानसून के सीजन में यदि कचरा नहीं उठाया जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। बारिश में इस कचरे के बहने से नालियां जाम हो जाती हैं। वहीं पानी के स्रोत भी दूषित हो सकते हैं। साथ ही मच्छर, चूहे व कीट-पतंगे पनपने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईकोर्ट का राज्यभर की नागरिक संस्थाओं से रिपोर्ट मांगना और सरकार की जवाबदेही तय करना वक्त की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि नगर निकायों के अधिकारियों की जरूरी सेवाओं, विशेषकर लोगों की सेहत से सीधे जुड़ी सेवाओं के लिये आपातकालीन योजनाएं बनानी ही चाहिए। निस्संदेह, इस संकट को महज कानून व व्यवस्था के नजरिये से ही नहीं देखा जा सकता। निर्विवाद रूप से हमारे समाज में सफाई कर्मचारियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन इस अहम कार्य को हम अपेक्षित मान्यता नहीं देते। यह विडंबना ही है कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से नौकरी की असुरक्षा, स्थायी होने में लगने वाली देरी, मिलने वाला कम वेतन और काम करने की खराब स्थितियों की शिकायत करते रहते हैं। शोचनीय स्थिति यह है तंत्र सफाई कर्मचारियों की मांगों को तब तक नजर अंदाज करता है, जब तक वे अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों में नहीं उतर जाते। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलना चाहिए। लेकिन हड़ताल व स्वास्थ्य सेवाओं का ठप होना न तो लोगों के हित में है और न ही सफाईकर्मियों के हक में। भारत में हर रोज 1.7 लाख टन से ज्यादा ठोस कचरा विभिन्न नगरपालिकाओं के अंतर्गत पैदा होता है। लेकिन तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण के चलते नागरिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस चुनौती के मुकाबले के लिये आधुनिक तकनीक के साथ प्रोफेशनल तरीके से ठोस कचरे का निस्सारण होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि पर्याप्त स्टाफ मिले, सफाई के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। हमारे नीति-निर्णयों को सोचना चाहिए कि आपातकाल के समय की हई कोई भी कार्यवाई लंबी अवधि की योजना का विकल्प नहीं बन सकती।

#### चित्त-मन

#### अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकेंथी अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकें? आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और जातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पॉइंटिव विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसका विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

# युवाओं की खून से सनी लाटियों के बीच ज्ञान परोसने वाले गुरुओं को करारा जवाब

## ‘पेपरलीक और पॉलिटिक्स अलग-अलग हैं’

अचानक ज्ञान परोसने के मैदान में कूद पड़े गुरुओं को कौन समझाए कि ‘पेपरलीक’ और ‘पॉलिटिक्स’ दो अलग-अलग सब्जेक्ट हैं कि इस देश का युवा कोई पॉलिटिकल रोटी सिकने नहीं, बल्कि अपना भविष्य मांगने सड़कों पर उतरा था? जब सालों से कस्ट सिस्टम के खिलाफ बिना हिंसा के लड़ाई लड़ रहे होनहार युवाओं पर सरकार की लाटियां चल रही थीं, तो इन समझदारों की एडमिनिस्ट्रिटव कमजोरी कहां छिपी थी? जब सिस्टम के तार हिलते हैं और सत्ता की कुर्सियों के नीचे से जमीन खिसकने लगती है, तो अचानक ज्ञान के देवता प्रकट हो जाते हैं। एक शानदार,ष्ट कर्म में बैठकर, टाई-सूट पहनकर और बड़ी-बड़ी मोरल बातें करते हुए, ये गुरु आज युवाओं को समझा रहे हैं कि ‘पेपर लीक सिर्फ एक एडमिनिस्ट्रिटव ब्लंडर है और पॉलिटिक्स एक अलग सब्जेक्ट है!’ लेकिन इन लोगों को यह कड़वी सच्चाई कौन समझाए कि पेपर लीक कोई अचानक होने वाली घटना नहीं है, बल्कि भ्रष्ट राजनीति और सिस्टम की मिलीभगत का जहरीला नतीजा है!

#### सालों का संघर्ष और अन्याय के खिलाफ़ आवाज़: ये युवा अचानक सड़कों पर नहीं आए



मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उड़ा देने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रही हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की क कहानी दबी पड़ी हैं। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

युवा की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाते वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अर्जुन, रविता, कोमल और गुरूप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसिलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं की एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा

ये वही लड़के हैं जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके, अपने माता-पिता की मेहनत की कमाई गंवाकर, चिलचिलाती गर्मी में छोटे कमरों में एक निवाला खाकर सरकारी परीक्षाओं की तैयारी की। वे एक रात में सड़कों पर नहीं आए। सालों तक उन्होंने शांति से इस भ्रष्ट और सड़े हुए सिस्टम के खिलाफ अपील की, याचिकाएं दालीं, और बातचीत के सभी दरवाजे खटखटाए। लेकिन जब प्रशासन से सिर्फ बेपरवाह चुप्पी, खोखले भरोसे और गोलमोल जवाब मिले, तो उम्मीद की आखिरी डोर भी टूट गई और वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए। ‘जब कलम थामने वाले हाथों पर बेरहमी से लाटियां बरसाई जाती हैं, तो समझ लेना चाहिए कि प्रशासन का लॉजिक और इंसाफ खत्म हो गया है। ये लाटियां सिर्फ युवाओं के शरीर पर नहीं, बल्कि इस देश के डेमोक्रेटिक भविष्य पर पड़ी हैं।’ बातचीत और सुलह की कमी: सच को जबदस्ती दबाने की कारगरतापूर्ण कोशिश अगर एडमिनिस्ट्रेशन चाहता तो डेमोक्रेटिक तरीके से युवाओं के साथ ट्वील पर बैठकर बातचीत कर सकता था, लेकिन एडमिनिस्ट्रिटव घमंड ने बातचीत के सारे रास्ते बंद कर दिए। बातचीत और सुलह के बदले युवाओं को क्या मिला? बेरहमी से लाठीचार्ज, पुलिस का आतंक और अरेस्ट वारंट! जिन हाथों में किताबें और पेन होने चाहिए थे, वे खून के धब्बों और लाटियों के निशानों से भरे थे। इंसाफ की उम्मीद लेकर आए बेगुनाह लड़कों को अपराधियों की तरह सड़क पर घसीटा गया। अब जब इस क्रूरता का गुस्सा हर तरफ से सामने

आ रहा है, तो ‘पेपर लीक और पॉलिटिक्स अलग-अलग हैं’ यह ज्ञान फैलाकर अपने दिल का दर्द छिपाने की कोशिश की जा रही है। जब सरकारी मशीनरी पूरी तरह फेल हो जाती है और चोर-दलाल बेलगाम हो जाते हैं, तो यह पॉलिसी का मुद्दा बन जाता है और पॉलिसी बनाने का काम पॉलिटिक्स है। इसलिए, पेपर लीक को पॉलिटिक्स से अलग दिखाकर सिस्टम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता! ‘पाको गुजरात’ का साफ़ और कड़ा सवाल ‘पाको गुजरात’ ऐसे समझदार लोगों और सिस्टम के मालिकों से एक खुला सवाल पृष्ठता है: अगर पेपर लीक पॉलिटिक्स का मामला नहीं है, तो फिर स्कैमर और पेपर लीक करने वाले माफिया हर बार पॉलिटिकल मालिकों की मेहरबानी के बिना कैसे बच निकलते हैं? युवाओं के भाषण से खेलने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के बजाय अपने हक के लिए लड़ रहे बेगुनाह युवाओं पर लाटियां बरसाना कैसा इंसॉफ है? याद रखिए, लाटियों के जोर से युवाओं की आवाज कुछ पल के लिए दबाई जा सकती है, लेकिन उनके दिलों में गुस्से की आग कभी नहीं बुझ सकती। यह लड़ाई अब सिर्फ एक एजाम या एक पेपर तक सीमित नहीं है, यह लड़ाई अब आत्म-सम्मान, इंसाफ और इस देश के भविष्य की लड़ाई बन गई है!

## सीखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

है हान सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरूप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं। आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी...। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अखिराार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड की सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती हैं। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेवस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवापुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया।

राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आगारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नवंबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी। मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है। वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीोसफला जवान नेन सिंह की हत्या का पदाफांश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के ममेरत गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी। मेरठ की ही युवती गुरूप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरूप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है। 23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी।



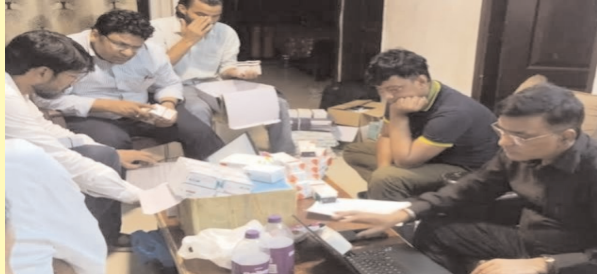
‘छात्रों पर लाठीचार्ज नहीं, बल्कि उन्हें चार्ज कर दिया’ मुजफ्फरनगर में किसानों के अनिश्चितकालीन धरने में बोले राकेश टिकैत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुजफ्फरनगर।** दिल्ली में छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से मुजफ्फरनगर जिला कलेक्ट्रेट में बुलाई गई किसान पंचायत अनिश्चितकालीन धरने में बदल गई। धरने की अगुवाई भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत कर रहे हैं। बड़ी संख्या में किसान और मार्च से जुड़े कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर जुटे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। कलेक्ट्रेट में हो रहे धरने को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने दिल्ली में छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्रों पर केवल लाठीचार्ज नहीं हुआ, बल्कि उन्हें चार्ज कर दिया गया है। टिकैत ने कहा कि अब यही छात्र अपने-अपने गांवों में जाकर लोगों को बताएंगे कि नौकरी मांगने और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर आवाज उठाने वालों के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि यह छात्र अब बिजली के कटौत की तरह पूरे देश में आपके इस व्यवहार की बात करेंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर पूरे देश और उत्तर प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर किसान पंचायतें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल धरना या प्रदर्शन नहीं, बल्कि किसानों की पंचायत है, फिलहाल मुजफ्फरनगर में संयुक्त किसान मोर्चा का धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा और विभिन्न मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया जाएगा।

## सोसाइटी का फ्लैट नंबर 402 बना ‘सीक्रेट स्टोर मिली 2 करोड़ रुपये की कैंसर की दवाएं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नोएडा।** सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली प्रिंसली सोसाइटी के एक फ्लैट से करीब 2 करोड़ रुपये की कैंसर और अन्य महंगी बायोलॉजिकल दवाएं बरामद हुई हैं. संयुक्त छपेमारी में एक आरोपी गिरफ्तार किया गया है. जांच में दिल्ली के बड़े दवा नेटवर्क और बिहार सरकार की सप्लाई से संबंधित कनेक्शन की भी जांच की जा रही है. एजेंसियों को इस रैकेट में और गिरफ्तारियों की उम्मीद है. बाहर से देखने पर यह नोएडा की एक सामान्य हाईराइज सोसाइटी का फ्लैट था. पड़ोसियों के लिए भी यह किसी आम परिवार का घर जैसा ही था, लेकिन जब संयुक्त टीम ने फ्लैट का दरवाजा खोला तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था. कमरे में एक-दो नहीं, बल्कि करीब 2 करोड़ रुपये कीमत की कैंसर और अन्य महंगी बायोलॉजिकल दवाएं रखी थीं. शुरुआती जांच में यह मामला सिर्फ अवैध दवा भंडारण तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि इसके तार एक बड़े दवा नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं. गौतमबुद्ध नगर में हुई इस कार्रवाई ने जांच एजेंसियों को भी चौंका दिया है. दिल्ली क्राइम ब्रांच, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (छप्रस्त्रह) और जिला औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने सेक्टर-76 स्थित अमरपाली प्रिंसली सोसाइटी के फ्लैट नंबर-402 पर छापा मारकर भारी मात्रा में महंगी दवाएं बरामद की हैं. मामले में आनंद कुमार नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई किसी सामान्य शिकायत का नतीजा नहीं थी. दिल्ली में पहले से दर्ज एक मामले की जांच के दौरान एजेंसियों को सूचना मिली थी कि नोएडा के एक फ्लैट में निर्यंत्रित श्रेणी की महंगी दवाओं का अवैध भंडारण किया गया है. सूचना मिलने के बाद 20 और 21 जुलाई की दरमियानी रात संयुक्त टीम सेक्टर-76 स्थित अमरपाली प्रिंसली सोसाइटी पहुंची. फ्लैट नंबर-402 में तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली महंगी दवाएं और बायोलॉजिकल इंजेक्शन मिले. जिला औषधि विभाग के अनुसार फ्लैट से बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है. जांच एजेंसियां अब यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर एक रहिगशी सोसाइटी के फ्लैट का इस्तेमाल दवाओं के भंडारण के लिए क्यों किया जा रहा था. प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि हाईराइज सोसाइटी में इस तरह की गतिविधियों पर कम शक होता है. इसी वजह से फ्लैट को कथित तौर पर स्टोरेज प्लांट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था. फिलहाल एजेंसियां फ्लैट से मिले दस्तावेज, पैकिंग सामग्री और अन्य रिकॉर्ड की भी जांच कर रही हैं. जांच में यह आशंका भी जताई गई है कि सरकारी आपूर्ति की महंगी कैंसर रोगी दवाओं को अवैध तरीके से निजी मरीजों तक ऊंचे दामों पर पहुंचाया जा रहा था. अगर जांच में यह बात सही साबित होती है.

महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो

भारत का भरोसेमंद

मीडिया नेटवर्क

काइम स्टोरी

इवेंट्रियन स्टोरी

मनीऑन स्टोरी

सोईर्स स्टोरी

सहित बेहतरीन और विश्वसनीय खबरों के लिए

महानगर मेट्रो को फॉलो करें

विश्वसनीय खबरें

तेज़ अपडेट्स

ग्राउंड रिपोर्ट्स

एक्सक्लूसिव इन्वेस्टिगेशन

FOLLOW NOW

हर खबर पर सबसे पहले नज़र

सच्ची खबरें

सटीक जानकारी

तेज़ अपडेट

आपके साथ, आपके लिए

हमसे जुड़े

MahanagarMetro

MahanagarMetro

MahanagarMetro

www.mahanagarmetro.com

महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो

हर खबर पर सबसे पहले नज़र

हर खबर पर सबसे पहले नज़र

पवन माकन

ग्रुप एडिटर

## बड़वानी में एक ही गोत्र में शादी पर बवाल, समाज ने दोनों परिवारों का किया बहिष्कार, जुर्माना भी ठोका, हाईकोर्ट ने दी सुरक्षा

बड़वानी के राजपुर में एक ही गोत्र में शादी करने पर कुशवाहा समाज ने नवदंपती और उनके परिवारों का आजीवन बहिष्कार कर 51-51 हजार का जुर्माना लगा दिया मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने जोड़ों को पुलिस सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**बड़वानी।** मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के राजपुर में एक ही गोत्र में प्रेम विवाह करने वाले युवक-युवती और उनके परिवारों का सामाजिक बहिष्कार किए जाने का मामला सामने आया है। कुशवाहा समाज की बैठक में दोनों परिवारों पर 51-51 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि विवाह में शामिल रिश्तेदारों और मेहमानों पर भी 5,100 रुपये तक का दंड तय किया गया। मामले में दंपती ने हाईकोर्ट की शरण ली, जिस पर इंदौर खंडपीठ ने अंतिम राहत देते हुए जरूरत पड़ने पर पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राजपुर निवासी महेंद्र लोनारे ने बताया कि उनके पुत्र हर्ष लोनारे और निकिता कई वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों परिवारों की सहमति के बाद उनका विवाह संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों एक ही गोत्र के हैं, लेकिन पिछले 10 पीढ़ियों से दोनों परिवारों के बीच कोई वैवाहिक संबंध नहीं हुआ था। साथ ही कानून की दृष्टि से विवाह में कोई बाधा नहीं थी, इसलिए परिवारों ने सहमति से शादी कराई। महेंद्र लोनारे के अनुसार, विवाह से पहले समाज के कुछ लोगों ने बैठक कर प्रस्ताव पारित किया था कि यदि यह शादी होती है तो दोनों परिवारों को 11 वर्ष के लिए समाज से निष्कासित किया जाएगा और दोनों पक्षों से 51-51 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा शादी में शामिल होने वाले वारतियों और समाज के सदस्यों पर 2,100 रुपये का दंड लगाने का भी निर्णय लिया गया था। कुछ मेहमानों ने तो समाज के भय के कारण दंड की राशि भर भी दी है। उन्होंने बताया कि विवाह संपन्न होने के बाद समाज की देवारा बैठक हुई, जिसमें दोनों परिवारों को 11 वर्ष से बड़ा

बाद दोनों परिवारों की सहमति से विवाह किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज के कुछ पदाधिकारियों ने इस विवाह को परंपरा के विरुद्ध बताते हुए उनके परिवारों का बहिष्कार कर आर्थिक दंड लगा दिया है। कुशवाहा समाज के पूर्व जिला महामंत्री नंदराम कुशवाहा ने भी समाज के निर्णय का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हर्ष और निकिता ने किसी कानून का उल्लंघन नहीं किया है। उनका कहना है कि समाज के फैसले का विरोध करने पर उन्हें छह वर्ष के लिए पद से हटा दिया गया। वहीं, कुशवाहा समाज के बड़वानी, खरगोन और धार इकाई के अध्यक्ष रमेशचंद्र कुशवाहा ने कहा कि आरोप निराधार है

## ओंकारेश्वर मंदिर में सुबह नौ बजे के बाद पुजारियों की एंट्री बैन, सुरक्षाकर्मियों ने रोका तो फूटा गुस्सा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**खंडवा।** देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रसिद्ध तीर्थ ओंकारेश्वर मंदिर इन दिनों आध्यात्मिक केंद्र से अधिक प्रशासन और पुजारियों के बीच अखाड़े का मैदान बनता दिख रहा है। जिला प्रशासन के नए मौखिक आदेशों और कड़े बयानों ने मंदिर के पंडितों और पुजारियों के बीच भारी असंतोख पैदा कर दिया है। बुधवार सुबह उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब सुबह 9 बजे के बाद ओंकारेश्वर मंदिर जा रहे अधिकृत पंडितों को टी-पॉइंट पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोक दिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने स्पष्ट किया कि वरिष्ठ अधिकारियों के सख्त निर्देश हैं कि 9 बजे के बाद किसी भी पंडित को आगे जाने की अनुमति नहीं होगी और उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। पंडित राधे तिवारी और अन्य पुजारियों का कहना है कि दूर-दराज से श्रद्धालु दिनभर पूजा-पाठ और जलाभिषेक के लिए आते हैं। ऐसे में इस तरह के प्रतिबंधों से न केवल पुजारियों बल्कि श्रद्धालुओं को भी भारी असुविधा हो रही है। क्रोशित पंडितों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखते हुए तीन प्रमुख शर्तें रखी हैं। अधिकृत

पंडितों को निर्बाध प्रवेश, मंदिर क्षेत्र में प्रवेश पर लगाई गई समय-सीमा तुरंत हटाई जाए। यजमानों के साथ जलाभिषेक, जिसमें पहले की तरह पंडितों को यजमानों के साथ जलाभिषेक की अनुमति बहाल हो। अभिषेक हॉल में विधिवत पूजा-अर्चना की व्यवस्था प्रशासन द्वारा पुनः शुरू की जाए। वर्तमान में किसी भी लिखित आदेश के अभाव में भ्रम और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। तनाव की एक बड़ी वजह एक दिन पहले की घटना भी है। वीआईपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत पर पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा के निर्देश पर पंडित दिनेश शर्मा को मंदिर प्रवेश से रोका गया और लगभग 6 घंटे मांथाता थाने में

बैठाकर रखा गया। हालांकि, जांच में आरोप सिद्ध न होने पर उन्हें छोड़ दिया गया। पुजारी संगठन ने एसडीएम पंकज वर्मा पर मनमानी और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। संगठन का रुख साफ है कि अवैध वसूली करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, लेकिन निर्दोष पंडितों को प्रताड़ित करना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि यह रवैया नहीं बदला तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। गौरतलब है कि एक पखवाड़े पूर्व मंदिर के द्वार पर मांथाता थाने के दो आरक्षकों पर भी अवैध वसूली के आरोप में मांथाता थाने में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। प्रशासन का दावा है कि ये कदम सुचारु दर्शन व्यवस्था के लिए उठाए जा रहे हैं। हालांकि, संवादहीनता, लिखित आदेशों की कमी और जल्दबाजी में की जा रही कार्रवाइयों के कारण व्यवस्था सुधरने के बजाय बार-बार विवाद और अव्यवस्था का रूप ले रही है। फिलहाल, कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने मामले में हस्तक्षेप कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया है।

## फतेहपुर में प्रेम विवाह के बाद नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत, पुलिस ने दहेज-हत्या का दर्ज किया केस

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**फतेहपुर।** यूपी के फतेहपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बकेवर थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव में एक 21 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर दहेज उखीड़न और दहेज हत्या संबंधित अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतका के पिता ने मारपीट का लगाया आरोप

मृतका के पिता रमेश ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी ने अपनी इच्छा से विनय कुमार से प्रेम विवाह

## दिल्ली में एक्शन, यूपी में रिएक्शन: सड़कों पर उतरे सपा-कांग्रेस कार्यकर्ता, पुलिस से तीखी झड़पें

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**दिल्ली।** पुलिस द्वारा समाजवादी पार्टी के सुप्रियो अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने के विरोध में पूरे उत्तर प्रदेश में भारी बवाल मच गया. खबर फैलते ही राज्य के अलग-अलग जिलों में सपा और कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए. कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू किया और नेताओं की रिहाई की मांग की. कई जिलों में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से तीखी झड़प हुई और पुलिस ने कई नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया.

**पूर्वांचल के जिलों में जोरदार हंगामा**

चंदौली में सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चकिया तिराहे पर धरना दिया. श्रावस्ती के भिनगा स्थित इंदगाह तिराहे पर सपा-कांग्रेस ने संयुक्त प्रदर्शन किया, जहां पुलिस बल तैनात रहा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष को नजरबंद करने का आरोप लगा. देवरिया के सुभाष चौक पर सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव की अगुवाई में विरोध दर्ज किया गया.

**मऊ और वाराणसी में पुलिस से धक्का-मुक्की**

को हिरासत में लेकर बाद में छोड़ा. रायबरेली में भी सपाइयों का गुस्सा फूट पड़ा. जिलाध्यक्ष की अगुवाई में सैकड़ों समाजवादी पार्टी और लोहिया वाहिनी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आये और शहर के डीआर कॉलेज चौराहे पर जाम लगा दिया. इस दौरान पुलिस से उनकी तीखी झड़प हुई. घटना का वीडियो सामने आया है. उधर, कांग्रेसियों ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला और जोरदार प्रदर्शन किया. प्रयागराज के सिविल लाइंस और कौशांबी के मंडनपुर चौराहे पर देर रात तक प्रदर्शन चला. कौशांबी में अखिलेश यादव की रिहाई की खबर मिलने के बाद ही धरना समाप्त हुआ. वहीं उन्नाव में गंगा घाट कोतवाली के बाहर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की. पूरे राज्य में विपक्ष ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया.

## हमीदिया रोड को डूबने से बचाने के लिए PWD मुकरा तो मेट्रो ने उठाई कुदाली

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**भोपाल।** राजधानी के सबसे व्यस्त व्यापारिक इलाके हमीदिया रोड को मानसून के पानी से बचाने की जिम्मेदारी की थी, लेकिन ऐन मौके पर PWD ने हाथ खींच लिए। इसके बाद मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने खुद कमान संभाली और रेलवे ट्रैक के बगल से पात्रा नदी तक करीब 1 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन बिछाकर 24 चैंबर तैयार कर दिए। मेट्रो टनल के दूसरे चरण का काम शुरू होने से पहले इस ड्रेनेज का बनना बेहद जरूरी था। हालांकि, मेट्रो के इस प्रयास के बाद भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। नाले का आउटलेट पात्रा नदी में खोला गया है, जहां तेज बारिश के दौरान नदी उफान पर आते ही पानी बैकफ्लो होकर वापस हमीदिया रोड की दुकानों और सड़कों पर आ सकता है। जब भी तेज बारिश होती है, पात्रा नदी का रूप देखने लायक (खतरनाक) होता है। इसने आसपास के निचले इलाकों में कई बार भारी तबाही और जलभराव फैलाया है। जफर, स्थानीय निवासी, बाग उमराव दुल्हा दो विधानसभाओं की राजनीति में फसा ड्रेनेज का आउटलेट हमीदिया रोड का यह ड्रेनेज आउटलेट दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की राजनीतिक खिंचाव का शिकार बन गया है। मेट्रो अधिकारियों ने पिछले दो महीनों में रात-दिन काम करके नाला तो बिछा दिया, लेकिन पानी के बहाव का रुख (पूर्व से पश्चिम का अंतर) तकनीकी रूप से अब भी सिरदर्द बना हुआ है। असली खतरा पात्रा नदी (छोटा तालाब का आउटलेट) के उफान पर आने से बैकफ्लो का डर।

## बारिश के बीच चंद्रशेखर का धरना, संसद से जारी किया वीडियो, लिखा- फितनी बड़ी शक्ति क्यों ना हो, जवाब देना होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बिजनौर।** देश की राजधानी दिल्ली में छात्र सड़कों पर है। नीट परीक्षा में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्रों ने आंदोलन छेड़ा हुआ है और मांग कर रहे हैं कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेद प्रधान इस मामले में जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। सोमवार को छात्रों और पुलिस के बीच उस वक्त तनाव भी देखने को मिला, जब प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़ रहे थे। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। वहीं, कई सियासी दल भी छात्रों की इस लड़ाई में कुद गए हैं। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और बिजनौर की नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद मंगलवार से ही संसद परिसर में धरने पर बैठे हुए हैं। बुधवार को सांसद चंद्रशेखर ने अपने एक्स फ़ैडल से एक वीडियो जारी किया, जिसमें बारिश के बीच वह धरने पर बैठे हुए हैं। वीडियो ट्वीट करते हुए चंद्रशेखर ने लिखा, 'बारिश की हर बूंद स्वीकार है, मगर मासूमों पर अन्याय स्वीकार नहीं, जिन्होंने अन्याय किया वो कितने ही ताकतवर क्यों ना हो, उनके पीछे कितनी बड़ी शक्ति क्यों ना हो, लेकिन जवाब देना ही होगा। महपुरुषों के विचार ही मेरे संघर्ष की ताकत हैं। जय भीम, जय भारत।' आपको बता दें कि सोमवार को कॉन्ग्रेस जनता पार्टी ने जंतर-मंतर से 'संसद चलो' मार्च का आह्वान किया था। मार्च में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शामिल हुए। वहीं, सपा से सांसद डिंपल यादव, प्रिया सरोज, राजीव राय, धर्मेद यादव और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने मार्च में शामिल होकर छात्रों को अपना समर्थन दिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई, जिसमें दोनों तरफ से कई लोग घायल हुए।

## राहुल और अखिलेश का पीएम आवास पर धरना

इस घटना के बाद चंद्रशेखर संसद परिसर में ही धरने पर बैठ गए। छात्रों पर पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर संसद में भी हंगामा हुआ और विपक्ष ने धर्मेद प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई वहीं, शाम को कांग्रेस सांसद और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पीएम आवास के बाहर धरना दिया। बाद में इस धरने में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हुए। पुलिस ने इस धरने को रोकने के लिए राहुल गांधी और अखिलेश यादव को हिरासत में लिया और कुछ घंटों के बाद रिहा कर दिया।

## इटावा: ब्यूटीशियन ने फंदा लगाकर की खुदकुशी, वीडियो में दोस्तों पर ब्लैकमेल करने का आरोप

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**इटावा।** उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में 26 वर्षीय ब्यूटीशियन और इवेंट ऑर्गेनाइजर कोमल मिश्रा ने गले में चासर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना से ठीक पहले उन्होंने अपने मोबाइल से एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने रूबी खान, सबीना खान, अभिषेक और रितेश पर ज़िंदगी बर्बाद करने तथा ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया. कोमल ने यह वीडियो अपने पति सौरभ द्विवेदी को भेजा और फिर तमघाती कदम उठा लिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है. पूरा मामला थाना सिविल लाइन क्षेत्र स्थित वृंदावन कॉलोनी का है.

## सुसाइड वीडियो में पति की तारीफ, 4 दोस्तों को बताया जिम्मेदार

रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कोमल ने अपने पति सौरभ द्विवेदी को अच्छा इंसान बताते हुए उनकी निंदोषता जाहिर की. उन्होंने बताया कि रूबी खान, सबीना खान, अभिषेक और रितेश उन्हें शादी से पहले की निजी बातों को पति और ससुराल वालों के सामने उजागर करने की धमकी देकर लगातार परेशान कर रहे थे. इस वजह से वह अत्यधिक मानसिक तनाव में थीं. बहूपुर ब्लॉक में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत पति सौरभ द्विवेदी ने बताया कि साढ़े तीन साल पहले उनकी लव मैरिज हुई थी और उनके दो छोटे बच्चे हैं. वनपुर से लौटने के बाद दोस्त कोमल को एआई से वीडियो और फोटो बनाकर ब्लैकमेल कर रहे थे. वीडियो मिलते ही सौरभ उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया. पुलिस के अनुसार मृतका के मोबाइल फोन से वीडियो मिले हैं. पुलिस इन वीडियो और मिले तथ्यों के आधार पर मामले की गहन जांच कर रही है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की बात कह रही है.



## दिल्ली में PM आवास के बाहर कांग्रेस के विरोध के खिलाफ गुजरात BJP गुस्से में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने पूरे देश की राजनीति को गरमा दिया है। अब भारतीय जनता पार्टी ने भी कांग्रेस के इस विरोध के विरोध में आक्रामक रुख अपनाया है। गुजरात BJP ने कांग्रेस की नीतियों और इस मामले में विरोध जताने के लिए अहमदाबाद में एक जोरदार विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के नेतृत्व में BJP नेता सड़क पर उतरे गुजरात BJP की ओर से अहमदाबाद स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय ‘राजीव गांधी भवन’ पर एक जोरदार धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में BJP प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा और राज्य के अन्य बड़े नेता खास तौर पर मौजूद थे। नेताओं के नेतृत्व में BJP कार्यकर्ता राजीव गांधी भवन के बाहर इकट्ठा हुए और कांग्रेस विरोधी नारे लगाए और विरोध किया। इस धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में BJP के विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, अहमदाबाद शहर और राज्य स्तर के नेता और हज़ारों कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर कांग्रेस के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। हालात की गंभीरता और BJP के बड़े पैमाने पर विरोध को ध्यान में रखते हुए, अहमदाबाद पुलिस डिपार्टमेंट ने पहले से तैयारी कर ली थी। राजीव गांधी भवन और उसके आस-पास के इलाकों में पुलिस काफिला तैनात किया गया था। पुलिस ने किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे।

## GSRTC के 114 मृत कर्मचारियों के परिवारों को फाइनंशियल मदद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद / गांधीनगर। गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने एक बहुत ही सेंसिटिव और त्रासिक के काबिल पहल की है। कॉर्पोरेशन में अपनी डेडिक्टेड सर्विस के दौरान गुजरने वाले लगभग 114 कर्मचारियों के आश्रित वारिसों को फाइनंशियल मदद देने के लिए एक स्पेशल चेक डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। राज्य के गृह और सड़क परिवहन मंत्री हर्ष सांघवी की मेहरबानी से मृत कर्मचारियों के परिवारों को चेक दिए गए।

## सरकार कर्मचारियों के परिवारों के साथ खड़ी है: हर्ष सांघवी

प्रोग्राम के दौरान, गृह और सड़क परिवहन मंत्री हर्ष सांघवी ने मृत सदस्यों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा, ‘सूत्र. कॉर्पोरेशन के कर्मचारी दिन-रात जनता की सेवा में तैनात रहते हैं। चल रही झूटी के दौरान किसी अपने को खोने का दर्द किसी भी कोमत पर पूरा नहीं किया जा सकता, लेकिन सरकार और कॉर्पोरेशन की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे उनके परिवारों को कभी भी फाइनंशियली कंगाल न होने दें।’ मंत्री ने आगे कहा कि समय पर मिली फाइनंशियल मदद, मृतक कर्मचारियों के बच्चों की पढ़ाई और परिवार की रोजी-रोटी के लिए वरदान साबित होगी।

## 3 इंच बारिश में फिर डूबा नवसारी, 71 सड़कें बंद; लोगों ने उठाए व्यवस्था पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। महज 3 इंच बारिश के बाद नवसारी शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एक बार फिर जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई। कई रिहायशी इलाकों और निचली सोसाइटियों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया, जबकि मुख्य सड़की मंडी भी जलमग्न होने से व्यापार प्रभावित हुआ। प्रशासन ने जलभराव और बढ़ते जलस्तर के चलते जिले की 71 छोटी-बड़ी सड़कों को यातायात के लिए बंद कर दिया, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के दौरे और प्रशासन के दावों के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ। नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष प्री-मानसून तैयारियों के दावे किए जाते हैं, लेकिन सामान्य बारिश में भी शहर जलमग्न हो जाता है। लोगों ने ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने, स्थायी समाधान लागू करने और जलभराव की समस्या पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

## खेड़ा-नडियाद फ़ाइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 27.65 लाख की विदेशी शराब व सामान जब्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। खेड़ा-नडियाद फ़ाइम ब्रांच ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नवापुरा स्थित एक फार्महाउस पर छापा मारकर ₹13.55 लाख की विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने शराब, वाहन और अन्य सामान सहित कुल ₹27.65 लाख से अधिक का माल जब्त किया। मौके से प्रवीण रणछोड़ लोहार और भावान उर्फ जोगी भरतभाई डायी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार यह खेप पालडी के कर्धित बूटलेगर जयेश अरविंदभाई उर्फ जफर सोढ़ा के नेटवर्क से जुड़ी बतवाई जा रही है। हालांकि मुख्य आरोपी जफर, उदायपुर निवासी जीतू और ट्रक चालक मौके से फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दक्षिण दी जा रही है। पुलिस पूरे नेटवर्क, शराब की सप्लाई चेन और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

# नमाज के लिए जगह भोजशाला से 2 किमी दूर क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

–मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर शुक्रवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कहा गया था कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह, धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और बी माहना की बेंच ने सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे राज्य सरकार से इस बारे में निर्देश लें कि क्या विवादित परिसर के पास नमाज पढ़ने के लिए कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुए सीनियर वकील हज़ैफा अहमदी ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने पहले राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह भोजशाला के पास नमाज के लिए खुली जगह उपलब्ध कराए। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जो जमीन चुनी है, वह लगभग 2 किलोमीटर दूर है। वकील अहमदी ने कहा कि आदेश यह था कि जमीन भोजशाला साइट के पास होनी चाहिए। शुक्रवार की नमाज के लिए जो जमीन दी गई है, वह 2 किलोमीटर दूर है। हम पहले ही शुक्रवार की नमाज नहीं पढ़ पाए हैं। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश होते हुए वकील ने कहा कि



वैकल्पिक जगह विवादित परिसर से करीब 900 मीटर दूर थी। हालांकि, उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि वह खुद इस मामले की जांच करेंगे और जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएंगे। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश का अन्वर्थर: और उसकी भावना के अनुरूप पालन किया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने मामले की

सुनवाई शुक्रवार को तय की और सॉलिडिटर जनरल को नमाज अदा करने के लिए निकटवर्ती स्थल उपलब्ध करने के संबंध में राज्य सरकार से निर्देश देने को कहा। बता दें 14 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध मुस्लिम पक्ष की अपीलों की सुनवाई करते हुए, जिसमें विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित

किया गया था, पीठ ने राज्य सरकार को मामले के अंतिम निर्णय तक विवादित स्थल के निकट शुक्रवार की नमाज दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच अदा करने के लिए एक अलग खुला स्थान उपलब्ध करने का निर्देश दिया था। अब इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को वैकल्पिक प्रार्थना स्थल के मुद्दे पर होगी।

# दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं, मेरी जिंदगी के साथी को सलाम



## -अजित पवार की जयंती पर पत्नी सुनेत्रा पवार ने किया भावुक पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जयंती पर उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। सुनेत्रा पवार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- दादा, कई सालों से मैंने आपका जन्मदिन इतनी खुशी, जोश और गर्व के साथ मनाया। घर और परिवार खुशियों से भर जाता, चारों ओर दुआओं की बारिश होती लेकिन आज आपकी जयंती मनाते हुए मेरा दिल पूरी तरह टूट रहा है। आज भी मेरा दिल इस कड़वी सच्चाई को मानने से इनकार करता है।

सुनेत्रा ने आगे लिखा- दादा, मेरी जिंदगी के हर मोड़ पर आप मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर मेरे साथ खड़े रहे। आपका वह मजबूत सहारा, मुश्किल समय में पीठ थपथपाना और आपका साथ, आज यह सब अचानक गायब हो गया है। सब कुछ एकदम खाली सा लगा रहा है, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैं नैक की सपने में भी नहीं सोचा था कि

समय मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा इतनी जल्दी छीन लेगा। उन्होंने लिखा- आज, जब मैं आपका यह जन्मदिन मना रही हूँ, तो मेरा दिल दर्द से भर गया है; मेरी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं लेकिन आपकी सोच, आपकी यादें, लोगों के प्रति आपकी सेवा की भावना, आपका अनुशासन और आपका दिया हुआ प्यार हमेशा मेरी हर सांस में, मेरे होने के हर रेखा में जिंदा रहेगा। मेरी जिंदगी के साथी को, आपकी पवित्र यादों को, दिल से और इज्जत से सलाम।

बता दें महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और जय अजीत दादा पवार ने दिवंगत नेता अजीत पवार की जयंती के मौके पर आधी रात को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान कैम्पस में उनके मेमोरियल पर फूल चढ़ाए। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान, उनकी समाजसेवा और लोगों की भलाई के लिए उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि अजीतदादा पवार की दृष्टि, विकास पर फोकस करने वाला नेतृत्व और समाजसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

# सीएम थलपति ने कहा- नीट परीक्षा पूरी तरह खत्म करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में धांधली और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध का माहौल बना हुआ है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से जारी प्रदर्शनों के बीच तमिलनाडु में तमिल सिन्मैमा के दिग्गज अभिनेता थलपति विजय की राजनीतिक पार्टी तमिज़ना कन्नम (टीवीके) ने नीट परीक्षा पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने मांग की है कि केवल परीक्षा में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि नीट प्रवेश परीक्षा को हमेशा के लिए पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना चाहिए।



बाधा आती है, तो एक अंतरिम उपाय के तहत विशेष समवर्ती सूची बनाई जानी चाहिए, ताकि राज्य सरकारों को अपनी मेडिकल शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण मिल सके। पार्टी के अनुसार, यह दुष्टक्रोण उनके नेता विजय द्वारा पहले ही रेखांकित किया जा चुका है।

इस राजनीतिक हलचल के बीच टीवीके ने नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि इसमें कोई कानूनी

साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि वे चुनावों के दौरान नीट को रद्द करने के झूठे वादे करके जनता और छात्रों के साथ धोखे की राजनीति नहीं कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके ने सत्ता में आने पर राज्य में नीट समाप्त करने का आश्वासन दिया था।

इसके अलावा, थलपति विजय ने नीट के विरोध में प्रदर्शन करने वाले प्रसिद्ध रैपर थेरुकुरल अरिवु से भी मुलाकात की। अरिवु ने नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के बाहर कंधा दिया था। शुरूआत में पुलिस द्वारा घटाए जाने के बाद, मुख्यमंत्री के निर्देश पर अरिवु को सचिवालय के भीतर लाया गया, जहां विजय ने उनसे भेंट की। इस मुलाकात के दौरान अरिवु ने राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से मांग करती रही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में संख्या 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही होना चाहिए।

# असम में बाढ़ से 21 लोगों की मौत, कई गांव डूबे, 5.64 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटों में 21 और लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी एएसडीएमए ने देर रात जारी बुलेटिन में दी। बुलेटिन के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक व्यक्ति की जान गई। इसके साथ ही इस साल राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। सीएम हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि वह बुधवार से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर रहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे।

मोडिया रिपोर्ट में एएसडीएमए के हवाले से बताया गया है कि बाढ़ से गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्नपारा, धेमाजी, सोनितपुर, उदालगुड़ी,



नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और शिवसागर सहित 16 जिलों में 5,64,600 से अधिक लोग प्रभावित हैं। सोमवार को 15 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या 3.63 लाख से ज्यादा थी। बुलेटिन के मुताबिक 44 राजस्व मंडलों के 872 गांव अब भी जलमग्न हैं। सबसे ज्यादा



रुपया गिरावट पर बंद मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.54 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 96.34 प्रति डॉलर पर खुला।

वहीं गत दिवस ये 96.27 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से भी रुपये पर दबाव आया है।। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना।

**डॉलर जुटाने के लिए सरकार की महामुहिम, बैंकों को मिले टारगेट**

**आरबीआई की रियायती स्वेप योजना से 20.72 अरब डॉलर का प्रवाह, वित्त मंत्रालय ने तय किए बैंकों के लिए एफसीएनआर-बी लक्ष्य**



**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई रियायती स्वेप योजना ने शानदार शुरुआत की है। 17 जुलाई तक इस योजना के तहत 20.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा यानी (एफसीएनआर-बी) का बड़ा योगदान है। इस गति को बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय ने अब बैंकों के लिए 30 सितंबर तक एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं, जो इस योजना की अंतिम तिथि थी है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न उपायों से कुल 90 अरब डॉलर जुटाना है, जिसे पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ गया है।विदेशी मुद्रा प्रवाह का प्रदर्शन: आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, रियायती स्वेप योजनाओं ने 17 जुलाई तक कुल 20.72 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। इसमें एफसीएनआर-बी योजना से 17.4 अरब डॉलर, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) की स्वेप सुविधा से 1.34 अरब डॉलर का प्रवाह शामिल है। ये आंकड़े जून में घोषित मौद्रिक नीति समीक्षा के उपायों की सफलता को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य भुगतान संतुलन को मजबूत करना और पूंजी अंतर्वाह को प्रोत्साहित करना था। वित्त मंत्रालय का हस्तक्षेप और बैंकों के लक्ष्य: विदेशी मुद्रा उधारी में से 35-40 करोड़ डॉलर अतिरिक्त जुटाने का लक्ष्य बना रहा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एफसीएनआर-बी जमा के रूप में 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।योजना की समय-सीमा और बाजार का आकलन: एफसीएनआर-बी विंडो 30 सितंबर तक उपलब्ध है, लेकिन इसके लिए विशिष्ट जमा जुटाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। वहीं ओएफसीबी और ईसीबी सुविधाएं 31 दिसंबर तक उपलब्ध रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने इस योजना के प्रदर्शन को उत्साहजनक बताया है, खासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अच्छे अंतर्वाह के कारण। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की ए क अर्थशास्त्र अनुसंधान प्रमुख के अनुसार प्रवाह अपेक्षाओं के अनुरूप हैं और आंकड़े उत्साहजनक हैं। सितंबर के अंत तक एक सार्थक राशि सुनिश्चित करने के लिए गति में निरंतरता या आगे वृद्धि की निगरानी करना महत्वपूर्ण है।

## बैलेंसड हाइब्रिड फंड के अब बदलेंगे दिन, सेबी के नए नियम के बाद नई स्कीमें होंगी लॉन्च

**नई दिल्ली, ।**

बैलेंसड हाइब्रिड फंड अभी तक 1,000 करोड़ रुपए से थोड़ी ज्यादा परिसंपत्ति वाले सबसे छोटे म्युचुअल फंड हैं, अब इनके दिन बदलने वाले हैं।

ऐसा इसलिए है कि फंड कंपनियां नई योजनाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। आईसीआईसीआई फंडेिशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है

जबकि एसबीआई और कोटक फंड को इस संबंध में नियमकीय मंजूरी मिल गई है। वे जल्द ही

## एआई नियम अब और होंगे सख्त! डेटा अधिकार में बड़े बदलाव पर विचार कर रही सरकार

**नई दिल्ली, ।**

केंद्र सरकार आईटी एक्ट, 2000 और इंडिया एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस की समीक्षा कर रही है ताकि इनमें कमियों की पहचान की जा सके। सूत्रों के मुताबिक इन कमियों को दूर करने के लिए प्रस्तावित नए एआई कानून, ज़रूरी प्रावधान किए जाएंगे, जिस पर सरकार काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सबसे अहम

मुद्दों में से एक यह है कि प्रॉटियर एआई मॉडल और टूल्स विकसित करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने का ढांचा कैसा हो और क्या उन्हें भी सेफहार्बर का कानूनी संरक्षण दिया जाना चाहिए। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इसका ढांचा कैसा होना चाहिए। अभी सामान्य समझ यह है कि ये सभी कंपनियां इंटरनेट इंटरमीडियरी की व्यापक श्रेणी में

## हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

**करचे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर पड़ा असर**

**नई दिल्ली, ।**

कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और इयूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर इयूरेबल्स और अश्वय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा,

**यूपीआई का अगला पड़ाव, अब बिना इंटरनेट भी करें पेमेंट !**

**हवाई जहाज से मेट्रो तक, हर जगह चलेगा यूपीआई**

**नई दिल्ली ।**

भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, जहां यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक नई क्रांतिकारी क्षमता के साथ ऑफ़लाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। यह सुविधा उन ग्राहकों और व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी जिनके पास लेनदेन के समय इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं होगा। घटनाक्रम से अवगत कम से कम तीन लोगों ने इसकी जानकारी दी है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित की जा रही इस तकनीक से उपयोगकर्ता हवाई जहाजों, भूमिगत मेट्रो और दूरदर्शन के क्षेत्रों में भी नियर फिंइड कम्प्यूनिकेशन (एनएफसी) का उपयोग करके पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) टर्मिनलों पर टैप एंड पे कर सकेंगे। यह नई क्षमता विशेष रूप से तब काम आएगी जब ग्राहक के उपकरण या व्यापारी के पीओएस टर्मिनल पर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध न हो। इससे हवाई जहाज के भीतर या भूमिगत मेट्रो स्टेशनों जैसी जगहों पर भुगतान करना बेहद आसान हो जाएगा। जानकारी के अनुसार एनपीसीआई इस वर्ष देश के प्रमुख व्यापारी टर्मिनल विनिर्माताओं के पीओएस उपकरणों को प्रमाणित करने की तैयारी में है ताकि ऑफ़लाइन यूपीआई भुगतान को व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सके। उपयोगकर्ता एनएफसी तकनीक का लाभ उठाते हुए, ऑफ़लाइन व्यापारी टर्मिनलों पर अपने डिवाइस को टैप करके भुगतान कर सकेंगे। इन लेनदेन की सीमा 2,000 रुपए तक होगी। यह अनुभव बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा उपयोगकर्ता वर्तमान में कार्ड-टैप के माध्यम से उड़ानों या अन्य ऑफ़लाइन सेटिंग्स में करते हैं।

## महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लॉकचेन लैंड कानून

**अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन**

**नई दिल्ली ।**

महाराष्ट्र सरकार ने 'महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन एंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन एसेट' ( डेल्टा ) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद ब्लॉकचेन-आधारित टोकनाइजेशन का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लॉकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारीयों सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारीयों टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना

चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

इस अधिनियम का मकसद ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल कर जमीन से जुड़ी जानकारीयों के डिजिटलीकरण टोकनाइजेशन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करना है। सीएमओ की तरफ से जारी एक वक्तव्य के मुताबिक फणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अचल संपत्तियों की अव्यक्त मूल्य का इस्तेमाल जनहित में करने के लिए नया कानून प्रस्तावित करें। इस समिति में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड ( सेबी ), बीएसई और



**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा अमेरिका के आयातित जेनेरिक

दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे दवा कंपनियों के शेयरों में खासी गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई

एनएसई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इस क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर शामिल होंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद एक पूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करना जिसमें अचल संपत्तियों को उनके असल मूल्य के आधार पर टोकन में बदला जा सके।

इससे ब्लॉकचेन तकनीक के जरिये लेन-देन हो सकेंगे जिसमें जमीन के मूल्य के आधार पर जारी किए गए टोकन के जरिए से लेन-देन होंगो।सरकार ने कहा कि इस कानूनी ढांचे का मकसद ऐसे लेन-देन को कानूनी सुरक्षा देना और जायदाद के मालिकाना हक को लेकर स्पष्टता लाना है। फणवीस ने अधिकारियों से यह

भी कहा कि वे कानून को अंतिम रूप देने से पहले परिसंपत्ति टोकनाइजेशन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों, नियमों और काम-काज के तरीकों का अध्ययन करें।

सरकार के मुताबिक अगर महाराष्ट्र इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ता है तो वह इस तरह का कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

सीएम ने कहा कि प्रस्तावित कानून सुधारों के मोर्चे पर अग्रणी रहने के महाराष्ट्र के इतिहास के मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस नए कानून की मदद से राज्य को शासन और आर्थिक विकास के लिए नई तकनीक अपनाने में भी सक्षम होना चाहिए।

## 2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा अमेरिका



**नई दिल्ली, ।**

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को दोबारा अमेरिका में बढ़ावा देना है। इस फैसले का असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। दृष्ट्य सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो सालों तक कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद एक साल के लिए 100 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन दोबारा अमेरिका में शुरू हो, जिन

**सोने और चांदी की कीमतों में तेजी नई दिल्ली ।**

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को भी इन दोनों ही कीमतें धातुओं में तेजी रही। आज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमतें 1597 रुपए की तेजी के साथ 1,44,480 रुपए पर पहुंच गयीं। वहीं चांदी की कीमत में भी करीब 2376 रुपए की तेजी रही। अब एक किलोग्राम चांदी 2,26,155 रुपए पर आ गयी है।

वहीं सर्राफ बाजार में मंगलवार को हाजिर मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों में 800 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 800 रुपए बढ़कर 1,47,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। सोमवार को यह 1,46,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 2,21,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी रही। पर स्थिर रही।

## शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 715, निफ्टी 191 अंक गिरा**

निफ्टी भी 191.45 अंक नीचे आकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

आज बाजार में आई गिरावट से बाजार पूंजीकरण 4 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर र 480 लाख करोड़ रुपये ही रह गया। जिससे भी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। आज सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलिवर, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, एशियन पेट्र्स, आईटीसी के शेयरों में तेजी रही।

आज दवा कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त गिरावट आई। सन फार्मा का शेयर 0.98 फीसदी गिरावट के साथ 1942.95 रुपये पर बंद हुआ। डॉ रेड्डीज लैब का शेयर 1.95 फीसदी गिरकर 1183 रुपये पर बंद हुआ। अरबिंदो फार्मा का शेयर भी 1.99 फीसदी नीचे 1549 रुपये पर बंद हुआ।

निफ्टी में इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट आई।

वहीं, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में करीब 388 अंक की गिरावट के साथ 77,081 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ ही 24,100 अंक के आसपास बना रहा।

**दवा कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये वित्तीय सहायता के लिए बाहर से जुटाएगी फंड**

**नई दिल्ली, ।**

मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की है। अब ये कार्यक्रम कावेरी थेराप्यूटिक्स में रहेंगे। कावेरी थेराप्यूटिक्स अमेरिका की क्लीनिकल चरण वाली कंपनी है। वह वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये उनके विकास की वित्तीय सहायता के लिए बाहर से पूंजी जुटाएगी। दो प्रायोगिक दवाओंहू एलएनपी7457 और एलएनपी8701 का एडवांसड सोलिड ट्यूमर वाले रोगियों में अध्ययन किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एलएनपी7457 एक प्रोटीन पीआरएमटी5 को अवरुद्ध करती है, जो कुछ कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है, जबकि एलएनपी8701 ट्यूमर के विकास से जुड़े आरएएस सिग्नलिंग मार्ग को निशाना बनाती है। कावेरी का शुरुआती ध्यान फेफड़े, अग्नशाय और डिम्बग्रंथि के कैंसर के साथ-साथ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़े कैंसर पर होगा।

इस संश्लौते के तहत दवा विनिर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अमेरिकी सहायक कंपनी ल्यूपिन इंक कावेरी में अहम इक्विटी हिस्सेदारी बरकरार रखेगी, शुरुआती वित्तीय सहायता देगी और कंपनी को ये दो कार्यक्रम विकसित करने के लिए विशेष अधिकार देगी। ल्यूपिन ने अपनी हिस्सेदारी के आकार, सीड फंडिंग की राशि या लेनदेन की अन्य वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया है। कावेरी एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करेगी और क्लीनिकल विकास की वित्तीय सहायता के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाएगी। यह संरचना ल्यूपिन को परिसंपत्तियों में आर्थिक हित बनाए रखने की अनुमति देती है।

## नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा किया

**कई राज्य अब बड़े पैमाने पर लाभार्थी डेटाबेस की छटाई कर रहे, बढ़ी चिंता**



**नई दिल्ली, ।**

चंद सप्ताह पहले पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक कार्यपत्र में पाया गया कि महाराष्ट्र और ओडिशा में महिलाओं पर के दित नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा हुआ और इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आया।

भारत में 'महिलाओं को बिना शर्त नकदी अंतरण कार्यक्रम: महाराष्ट्र और ओडिशा के प्रमाण' शीर्षक वाले इस पत्र में पाया कि महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के कारण महिलाएं 'लैंगिक समानता' के अंत में लाभार्थियों के बड़े खाते में बची राशि में 84 फीसदी या करीब 6,884 रुपए बढ़े जबकि मासिक व्यय 46 फीसदी यानी 1,349 रुपए

बढ़ा।ओडिशा की सुभद्रा योजना के कारण मासत की बैंक खाता राशि 45 फीसदी बढ़कर 6,887 रुपए हो गई जबकि व्यय में 28 फीसदी यानी 1,920 रुपए की बढ़त हुई। ये नतीजे इस बात पर बल देते हैं

कि महिलाओं को नियमित नकद अंतरण तमाम सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर सुधार दर्शाता है।कुछ साल पहले नेशनल ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक रिसर्च के एक कार्यपत्र 'लैंगिक समानता और बाल विकास के लिए मातृत्व नकदी अंतरण: भारत में प्रयोगों के प्रमाण' ने बड़े पैमाने पर किए गए यादृच्छिक मूल्यांकन के आधार पर पाया कि नकद अंतरण प्राप्त करने वाले परिवारों में माताओं और बच्चों के कैलौरी सेवन में 9.6—15.5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही आहार विविधता और पोषक तत्वों की खपत में भी शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बच्चों के कार्यात्मक विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि औसत रूप से ऊंचाई और वजन आदि में सुधार नहीं हुआ।

## नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन



दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें मुक्तेश्वर मंदिर मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

## भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों

पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

**कौड़ियाला**

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

**देवप्रयाग**

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप



देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

**भीमताल**

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल

बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

# मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप



देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौली को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी

बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

**आप चाहें तो वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।**

**कहां है बरनीगढ़**

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

**क्यों फेमस है बरनीगढ़**

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

**पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़**

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

**आसपास घूमने की जगहें**

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखामंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

**ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़**

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

# दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान



जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलेक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

**कहां है बरोट घाटी**

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय

मार्च से जून और सर्दियों में अक्टूबर से नवंबर के बीच होता है।

**ऐसे पहुंचे बरोट घाटी**

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचें। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो

आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौकाता है। इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपको इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

# सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्युमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मंडेडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में



टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

## सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कप्तान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

**भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम:** सिकंदर रजा (कप्तान), बायन बेनेट, रयान बर्ले, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकादजा, ब्लेसिंग मुजारवान्नी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्युमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

## लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकी मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगो में 26 जुलाई को इतिहास रचने उतरेगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रही मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

## एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगो में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

## चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाए। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताबिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रुथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती है। रुथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

## अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

**वृंदावन।** भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का की श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौर के वीडियो तेजी



से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

## रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

## डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभम गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

## ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

## संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती

रहेगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

## इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अब्बास अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

## भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभम गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।



## इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

## टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए। इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम

प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

## प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, 'हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ और आत्मविश्वास भी है। फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।





## ‘सिटी ब्यूटीफुल’ फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म ‘सिटी ब्यूटीफुल’ से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ ‘डिस्को सिंह’ में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और ‘सिटी ब्यूटीफुल’ वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, ‘यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूँ कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, ‘इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।’ अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म ‘मोमाकू’ में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम ‘मोटर, माचिस और कटर’ है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने ‘पिकी’ नाम की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।



## फिल्म ‘रणबाली’ में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘कॉकटेल 2’ की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म ‘रणबाली’ का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक किटिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के ‘रणबाली’ अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ‘रणबाली’ के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, ‘मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूँ या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।’



## ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थीं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज ‘अलायंस’ और ‘लॉक-अप’ लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब ‘लॉक अप’ और ‘अलायंस’ जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या

भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, ‘देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।’ उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, ‘देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे ‘लॉक अप’ और ‘बिग बॉस’ देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।’ अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो ‘जुही मुई’ में मुख्य भूमिका (जुही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जुझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

## हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह



अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की वकीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ के ‘घिस घिस घिस’ गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की ‘ईटा’ में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, ‘दो अलग मिट्टी का स्वेग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए?’

### ‘ईटा’ में नजर आएंगी अक्षरा

‘वेलकम टू द जंगल’ के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म ‘ईटा’ में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने ‘ईटा’ में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।



## ‘हेरा फेरी 3’ विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने ‘हेरा फेरी’ के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो ‘हेरा फेरी 3’ का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि ‘मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूँ।’ यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही ‘हेरा फेरी’ साथ ही ‘आवारा पागल दीवाना’, ‘वेलकम’ और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल

जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, ‘मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूँ? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूँ या इसमें फंसने के लिए?’ मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। जब भी ‘हेरा फेरी 3’ बनेगी मैं उसमें काम करूंगा फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्टर या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूँ। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठेंगे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

## पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी



काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म ‘ट इंडिया स्टोरी’ लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्मों की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म ‘मगाधीरा’ हो या अजय देवगन के साथ ‘सिंघम’, अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म ‘ट इंडिया स्टोरी’ लेकर आ रही काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्मों करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी। जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं,

‘यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूँ। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनाता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रेवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थी। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।’

### खेल-खेल में बेटा रावल बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म ‘रामायण’ में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, ‘बहुत ही अलग और

अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शूटिंग देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएंगी। उसका स्कैल दिखाई देता है कि वह वॉलेंट सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वही, रामायण का बेटे से

जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावल हूँ, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूँ कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

### मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, ‘एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आखिरी खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मोके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी। मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, ‘ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूँ। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।’

संक्षिप्त समाचार

ओमान में भारतीय महिला कामगारों का उत्पीड़न

मस्कट, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश ओमान में भारतीय राजदूत प्रशांत पिसे ने उत्पीड़न की शिकाार भारतीय महिला घरेलू कामगारों से मुलाकात की और मदद का भरोसा दिया। यह कदम खाड़ी देशों में भारतीय महिला कामगारों के उत्पीड़न, शोषण और वेतन न मिलने की लगातार आ रही खबरों के बीच उठाया गया। हाल ही में हैदराबाद की शबनम बेगम का मामला सामने आया था, जिन्हें बेहतर नौकरी का झांसा देकर मस्कट बुलाया गया और वहां 12 से 15 घंटे जबरन काम कराया गया। प्रताड़ना के बाद शबनम दूतावास में शरण ली।

फ्रांस में भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की तैयारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में भी 15 साल की उम्र से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की तैयारी शुरू हो गई है। यहां सांसद के ग्रीष्माकाश से पहले इस आशय के विधेयक को अंतिम रूप दिया जाना है और सितंबर में नए शैक्षणिक सत्र से इसे लागू करने की योजना है। यह विधेयक में स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगाता है। यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और यूएई जैसे उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

हमास के नए लीडर बने खलील अल-हाय्या

यरुशलम, एजेंसी। फलस्तीनी सशस्त्र समूह हमास ने खलील अल-हाय्या को अपना लीडर घोषित किया है। उन्होंने याह्या सिनवार की जगह ली है। 2024 में सिनवार और इस्माइल हाय्ये की मौत के बाद अल-हाय्या हमास के बड़े नेता बनकर उभरे हैं और गाजा के प्रमुख वार्ताकार भी हैं। 2014 में इराक़ीय के साथ युद्धविराम कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। अल-हाय्या उन शीर्ष अधिकारियों में भी शामिल थे, जिन्हें 2025 में दोहा में हुए इराक़ाली हमले में निशाना बनाया गया था। इससे पहले, इराइल 2007 और 2014 में दो बार उनके घर पर बमबारी कर चुका है लेकिन हर बार बच गए।

जिनपिंग सितंबर में जाएंगे अमेरिका, चीन ने कहा- ट्रंप पर चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों का असर यात्रा पर नहीं

बीजिंग, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सितंबर में प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा तय समय पर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों देश शीर्ष नेताओं की बैठक को लेकर लगातार संपर्क में हैं। संबंधों को सुधारने की दिशा में यह वातां बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री माकां रुबियो ने भी उम्मीद जताई थी कि ट्रंप की टिप्पणियों का इस यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ेगा और चीनी टीम तैयारियां जारी रखे हुए हैं।

ईरान : सुन्नी धर्मगुरु मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या, मरिजद के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने मारी गोली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत स्थित मिर्जावेह शहर से एक दुर्घट खबर सामने आई है, जहां अज्ञात बंदूकधारियों ने प्रमुख बड़े सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या कर दी है। मौलवी रिगी शहर की मरिजद में शुक्रवार की नमाज के इमाम थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकारी मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए इस घटना की पुष्टि की है। यह क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है और भौगोलिक रूप से काफी संवेदनशील माना जाता है। सिस्तान-बलूचिस्तान ईरान का सबसे गरीब और अशांत प्रांतों में से एक है। शिया-बहुल ईरान में यह प्रांत सुन्नी बहुल आबादी का गढ़ है, जो लंबे समय से जातीय और इस्लामी अग्रवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच जारी संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने इस हमले को प्रांत की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने की एक शोषणी-समझौती साजिश बताया है। फिलहाल, अधिकारी मौलवी की गहन जांच कर रहे हैं और उन्होंने आम जनता से संयम बरतने व शांति बनाए रखने की अपील की है। मौलवी की हत्या ने इस सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि सुन्नी धर्मगुरु अनवर रिगी की जब हत्या की गई तो ईरान के स्थानीय समय के अनुसार वहां सुबह के 4 बज रहे थे। जिससे इस घटना पर तरह-तरह विचार किए जा रहे हैं। बड़े धर्म गुरु अनवर रिगी ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के सुन्नी समुदाय के एक प्रमुख स्थानिय नेता थे। जा वह मरिजद के अली इब्न अबी तालिब के इमाम-ए-जुम्मा थे।उनकी निधुक्ती मिर्जावेह की मरिजद में इमाम जुम्मा के रूप में की गई थी। ईरान के मिर्जावेह शहर में सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

अमेरिका ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ, ट्रेड को लेकर दो पड़ोसियों के बीच बढ़ी टेंशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैकड़ों कनाडाई प्रोडक्ट्स पर 50 परसेंट का एक्सट्रा टैरिफ लगा दिया है। उन्होंने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, अल्कोहलिक ड्रिंक्स और डेयरी प्रोडक्ट्स के अमेरिकन एक्सपोर्ट के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इससे नॉर्थ अमेरिका के दो पड़ोसियों के बीच ट्रेड टेंशन और बढ़ गई है।

1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 को लागू करते हुए ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने वाले तीन अलग-अलग आदेशों पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का मकसद कनाडा के अमेरिकी कॉमर्स के साथ भेदभाव वाले बर्ताव से अमेरिकी कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कार, शराब और डेयरी प्रोडक्ट के लिए बराबरी के मौके बनाना है। व्हाइट हाउस के मुताबिक टैरिफ

साइन करने के 30 दिन बाद लागू होंगे और इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होंगे कि सामान अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट के तहत खास ट्रीटमेंट के लिए क्वालिफाई करता है या नहीं. इन उपायों में एनर्जी, पोटाश, पहले से सेक्शन 232 टैरिफ के तहत आने वाले प्रोडक्ट, मछली, जरूरी मिनरल और कुछ दूसरी खास चीजें शामिल नहीं होंगी.

एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि नए टैरिफ कनाडा के कई तरह के इंपोर्ट को कवर करते हैं, जिसमें वाइन और हॉकी स्टिक से लेकर सीमेंट और कंज्यूमर गुड्स तक के प्रोडक्ट शामिल हैं। साथ में दिए गए एनेक्स में सैकड़ों टैरिफ क्लासिफिकेशन की लिस्ट है जिन पर एक्सट्रा 50 परसेंट ड्यूटी लागेगी. व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा ने ऐसी पॉलिसी बनाए रखीं जो अमेरिकी एक्सपोर्ट्स के साथ भेदभाव करती थी, जबकि दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर्स को ज्यादा अच्छा बर्ताव देती थीं.



इसमें कहा गया कि कनाडा ने अमेरिकी मोटर गाड़ियों पर टैरिफ और कोटा रिस्ट्रिक्शन लगाए जो दूसरे देशों से इंपोर्ट पर लागू नहीं होते थे और कोटा इस तरह से मैनेज किया जिससे अमेरिकी मैयूफैक्चरर्स को अमेरिका में फैसिलिटी बढ़ाने के बजाय कनाडाई प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करने के लिए बढ़ावा मिला. व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि अप्रैल 2025 और मार्च 2026 के बीच पिछले

साल इसी समय की तुलना में कनाडा में अमेरिकी मोटर गाड़ियों का इम्पोर्ट लगभग 22 प्रतिशत या 5.6 बिलियन डॉलर कम हो गया, जबकि दूसरे देशों से इम्पोर्ट बढ़कर अमेरिकी एक्सपोर्ट की जगह ले लिया.

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स पर लागू पाबंदियों का भी ज़िक्र किया, और कहा कि दो कनाडाई प्रांतों और इलाकों को छोड़कर बाकी सभी ने अमेरिकी अल्कोहल की खरीद, डिस्ट्रीब्यूशन या रिटेल बिक्री रोक दी है, जबकि दूसरे देशों के प्रोडक्ट्स की पहुंच बनाए रखी है. इसने कहा कि मार्च 2025-फरवरी 2026 के समय के दौरान पिछले साल की तुलना में कनाडा में अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स का इम्पोर्ट लगभग 81 प्रतिशत या 582 मिलियन डॉलर कम हो गया. डेयरी पर एडमिनिस्ट्रेशन ने तर्क दिया कि यूएसएमसीए के तहत चीज के लिए कनाडा का टैरिफ-नेट कोटा सिस्टम, कनाडा-यूरोपियन यूनियन

कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत यूरोपियन यूनियन के समान इंपोर्ट पर लागू कोटा सिस्टम से ज्यादा रोक लगाने वाला था, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट्स कॉम्पिटिटिव रूप से नुकसान में थे. व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेड साल में सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वॉशिंगटन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना था. इसने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन ने 18 ट्रेड डील हासिल की, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन तर्क दिया कि कनाडा ने कनाडाई ट्रेड बैरियर को दूर करने के बजाय अमेरिकी के खिलाफ भेदभाव करने का विकल्प चुना.' लेटेस्ट टैरिफ ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के अपने अमेरिका फर्स्ट इकोनॉमिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए ट्रेड उपायों के इस्तेमाल में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पाकिस्तान के बाद अमेरिका में भी बढ़े पेट्रोल के दाम



नहीं बढ़े हैं। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल के दाम में 13.18 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल में 13.80 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 310.71 रुपये और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 323.30 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

इन देशों में पेट्रोल 150 रुपये के पार : साउथ अफ़्रिका से लेकर बेल्जियम तक 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 150 रुपये से 200 रुपये तक पहुंच गई है। ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक साउथ अफ़्रिका में पेट्रोल का दाम 150.72 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। साइप्रस में 160.85 रुपये तो यूक्रेन में 163.72 रुपये लीटर। स्पेन में पेट्रोल जहां 170 के पार है तो वहीं इटली में

206.95 रुपये लीटर।

क्या भारत में भी पहुंचेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम : पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार में चिंता बढ़ गई है। मार्च के बाद अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। इसका असर अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे तेल की कीमतों पर साफ दिखाई देने लगा है। भारत के लिहाज से देखा जाए तो अगर संघर्ष लंबा चलने पर पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे घरेलू स्तर पर महंगाई बढ़ेगा। उधर, भारत के लिए आयात-निर्यात करना महंगा होता जा रहा है। होमज के बंद होने से जहाजों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे परिवहन लागत में भारी बढ़ोतरी हो रही है। भारत के लिए यूरोप व अन्य क्षेत्रों में सामान भेजना और वहां से

मंगाना महंगा हो गया है।

भारत में कई स्तर पर दिखेगा असर : जहां तक भारत की बात है तो कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एटोएफ महंगे होने की आशंका बढ़ेगी। वहीं, आयात बिल बढ़ने से व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। शिपिंग किराया और युद्ध जोखिम बीमा बढ़ने से आयातित सामान की लागत भी बढ़ेगी। कच्चे तेल के भाव बढ़ने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे अन्य आयात भी महंगे हो सकते हैं। और साथ में तेल, गैस, उर्वरक, रसायन, शिपिंग और परिवहन क्षेत्र पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

शिपिंग कंपनियों का खर्च बढ़ा : समुद्री मार्ग बाधित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ गया है। जहाजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे ईंधन, चालक दल और समय की लागत बढ़ रही है। इसके साथ ही, युद्ध जैसे हालात को देखते हुए जहाजों के जोखिम बीमा प्रीमियम में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर आयात और निर्यात की लागत पर पड़ेगा। शिपमेंट की लागत कोई मार्गों पर दोगुना तक बढ़ गई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष बताते हैं कि युद्ध के चलते ऑर्डर रद्द हो रहे हैं या फिर उन्हें स्थगित किया जा रहा है। अगर कुछ ऑर्डर बुक भी हो रहे हैं।

एंडी बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री, कीर स्टार्मर की जगह संभाला पद



40 वर्षों में देश की राजनीति का सबसे बड़ा बदलाव बताया था. बर्नहैम पार्टी के नए नेता बनने की दौड़ में अकेले उम्मीदवार थे, उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी के 403 सांसदों में से 379 का नामांकन हासिल किया. ब्रिटेन की संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था में सत्ताधारी पार्टियों को आम चुनाव कराए बिना अपने नेता और इस तरह प्रधानमंत्री को बदलने की हट्ट होती है. अगले आम चुनाव 2029 तक कराने की जरूरत नहीं है, हालांकि अगर बर्नहैम चाहें तो वे पहले भी

चुनाव करवा सकते हैं. ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर बर्नहैम ने राजनीति को ‘कम जहरीला’ बनाने, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और ‘उस उम्मीद को वापस लाने, जिसे हम सब खो चुके हैं,’ का वादा किया है. शुक्रवार को लेबर पार्टी का नेता बनने के बाद उन्होंने कहा, ‘मैं एक नई राजनीति बनाने के लिए काम करूंगा. देश को इसकी सख्त जरूरत है.’ आलोचकों और समर्थकों जल्द ही ये जानना चाहेंगे कि बर्नहैम अपने वादों को कैसे पूरा करने की योजना बना रहे

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

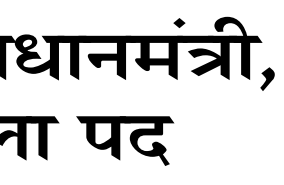
वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैयूफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों की भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियां और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, ‘बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।’

ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना ​​था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनके अनुसार, व्यापक टैरिफ लगाने से अमेरिका को कई देशों के साथ नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में फायदा मिला। उन्होंने बताया कि

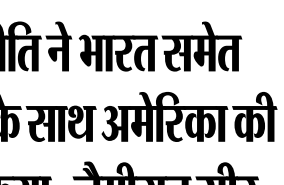


कि सियोल इन बैठकों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या रूस और उत्तर कोरिया के बीच दोनों देशों के नेताओं की एक और शिखर बैठक पर चर्चा हो रही है। रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि रविवार को क्रेमलिन में हुई मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों के अच्छे संबंधों की सराहना की। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के नेतृत्व और वहां के लोगों का फिर से धन्यवाद किया। चोए सोन हुई ने पुतिन से कहा कि किम जोंग उन रूस के साथ संबंधों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

दोनों देशों के बीच पहले क्या समझौता हुआ था : किम जोंग उन वर्ष 2019 और 2023 में रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में पुतिन से मिलने गए थे। जून 2024 में पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा के दौरान किम को फिर से रूस आने का संकेत दिया था। उसी बैठक में दोनों नेताओं ने एक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में कहा गया था कि यदि किसी भी देश पर हमला होता है, तो दोनों एक-दूसरे की मदद करेंगे।



हैं. वहीं केअर स्टार्मर ने सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में 10 डॉजिंग स्ट्रीट से अपना अंतिम संबोधन दिया और कहा, ‘मेरा काम पूरा हो गया है.’ स्टार्मर ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से अपना इस्तीफा सौंपने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ‘मैं जिम्मेदारी एंडी बर्नहैम को सौंप रहा हूं, जिन्हें मेरा पूरा समर्थन है.’ लेबर सांसद स्टार्मर (63) ने पिछले महीने पद छोड़ने की घोषणा की थी. उनके बाद नवनिर्वाचित पार्टी नेता एंडी बर्नहैम बकिंघम पैलेस जाएंगे, जहां चार्ल्स उन्हें नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे. बर्नहैम (56) इसके बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और बकिंघम पैलेस से 10 डॉजिंग स्ट्रीट लौटकर राष्ट्र के नाम अपना पहला संबोधन देंगे।



इस नीति की बदौलत अमेरिका ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, भारत और जापान जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ाई। ग्रीर ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को टैरिफ कार्यक्रम के एक बड़े हिस्से को रद्द कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, ‘हमारी नीतियों को अदालत में चुनौती मिलना कोई नई बात नहीं है। हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो अमेरिकी कामगारों की कीमत पर अपना फायदा कमाना चाहते हैं और अपने पुराने कारोबारी मॉडल को बचाने के लिए मुकदमे करेंगे। ग्रीर के मुताबिक, प्रशासन अब दूसरे कानूनी विकल्पों के जरिए अपनी व्यापार नीति को आगे बढ़ा रहा है और कई दशकों से चली आ रही अमेरिकी व्यापार व्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ‘आखिरकार हम व्यापार नीति बदलने में सफल हो रहे हैं। व्यापार घाटा कम हो रहा है। कंपनियां फिर से अमेरिका में उत्पादन शुरू कर रही हैं। हम वन सप्ती चीजों में सफल हो रहे हैं। इसलिए मैं अपनी मौजूदा स्थिति और आगे की दिशा से खुश हूं।